हिन्दी सान्ध्य दैनिक जौनपुर,लखनऊ व भदोही से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live

वर्ष : 01 अंक–226 : जौनपुर, शुक्रवार 12 मई 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

सीएम योगी मंत्रियों विधायकों के साथ देखने पहुंचे "द केरल स्टोरी"

लखनऊ ब्यूरो : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को लोकभवन में चर्चित फिल्म 'द केरल स्टोरी' देखने पहुंचे। उनके साथ मंत्रिमंडल के सभी सदस्य भी मौजूद हैं । इस फिल्म की विशेष स्क्रिनिंग का आयोजन यूएफओ सिने मीडिया नेटवर्क के सहयोग से किया गया है। बता दें कि केरल में हिंदू लड़कियों का धर्मांतरण कराने के साथ ही उन्हें आतंकी बनाने से संबंधित घटनाओं पर आधरित इस फिल्म की विषय वस्तु को लेकर देश भर में विवाद चल रहा है। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु ने फिल्म के प्रदर्शन पर अपने–अपने राज्यों में जहां प्रतिबंध लगा दिया है। वहीं, मुख्यमंत्री इस फिल्म को यूपी में टैक्स फ्री करने की घोषणा कर चुके हैं। मुख्यमंत्री योगी के साथ उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, मंत्री सुरेश खन्ना सहित ज्यादातर मंत्री और विधायक शामिल हैं। इसके अलावा विद्यार्थी परिषद के कुछ स्टूडेंट भी फिल्म देख रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को लोकभवन में चर्चित फिल्म 'द केरल स्टोरी' देखने पहुंचे। उनके साथ मंत्रिमंडल के सभी सदस्य भी मौजूद हैं । इस फिल्म की विशेष स्क्रिनिंग का आयोजन यूएफओ सिने मीडिया नेटवर्क के सहयोग से किया गया है। बता दें कि केरल में हिंदू लड़कियों का धर्मांतरण कराने के साथ ही उन्हें आतंकी बनाने से संबंधित घटनाओं पर आधरित इस फिल्म की विषय वस्तु को लेकर देश भर में विवाद चल रहा है। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु ने फिल्म के प्रदर्शन पर अपने–अपने राज्यों में जहां प्रतिबंध लगा दिया है। वहीं, मुख्यमंत्री इस फिल्म को यूपी में टैक्स फ्री करने की घोषणा कर चुके हैं। मुख्यमंत्री योगी के साथ उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, मंत्री सुरेश खन्ना सहित ज्यादातर मंत्री और विधायक शामिल हैं। इसके अलावा विद्यार्थी परिषद के कुछ स्टूडेंट भी फिल्म देख रहे हैं।

धोखाधड़ी के मुकदमें में वांछित महिला सहित दो अभियुक्त गिरफ्तार

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : मछलीशहर कोतवाली थाना अंतर्गत पुलिस ने धोखाधड़ी के मुकदमें में वांछित महिला सहित दो अभियुक्त गिरफ्तार डा0 अजय पाल शर्मा, पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के दिशा निर्देशन व क्षेत्राधिकारी मछलीशहर के पर्यवेक्षण व मार्गदर्शन में थानाध्यक्ष राजनारायन चौरसिया मय हमराही कर्मचारीगण द्वारा दिनांक 11.05.2023 को मुखबिर की सूचना पर मु0अ0सं0 026/2023 धारा 419/420/467/468/120बी/506 भा0द0वि0 के वाछिंत अभियुक्त विजयपति पाल पुत्र स्व0 गयादीन पाल नि0 गौहानी थाना पवारा जनपद जौनपुर को गौहानी मोड़ से समय 05.15 बजे सुबह नियमानुसार गिरफ्तार किया गया । तत्पश्चात गिरफ्तारशुदा अभियुक्त विजयपति पाल के बयान व निशानदेही पर प्रकाश में आयी अभियुक्ता इन्दिरा देवी पति स्व0 राजपति हरिजन नि0 गौहानी थाना पवारा जनपद जौनपुर को उसके घर ग्राम गौहानी से समय 08.10 बजे सुबह म0का0 शालिनी सिंह की निगरानी मे नियमानुसार गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण उपरोक्त को विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्याया0 के समक्ष भेजा जा रहा है । घटना का विवरणः– बबना देवी पत्नी स्व0 गजाधर पाल ग्राम गौहानी थाना पवारा जौनपुर की दिनांक 09.08.2022 को मृत्यु हो गयी थी, जिसके उपरान्त इनकी जेठानी सुखराजी देवी पत्नी स्व0 गयादीन पाल व जेठानी के

लड़को द्वारा इन्दिरा देवी पति स्व0 राजपति हरिजन को बबना देवी बनाकर धोखा धड़ी से दिनांक– 31.08.2022 को 4.5 बीघा जमीन रजिस्ट्री करा लिये थे। जिसकी जानकारी बबना देवी के लड़कीयों को हुई तो माननीय न्यायालय में प्रार्थना पत्र दिया गया। मा0न्यायालय के आदेश से मुकदमा पंजीकृत किया गया तथा विवेचना प्रारम्भ की गयी। विवेचना के दौरान साक्ष्य तथ्यों एवं नामजद अभियुक्तों से पुछताछ के आधार पर घटना से सम्बन्धित महिला सहित दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया तथा शेष की गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है। मुकदमें की विवेचना प्रचलित है। गिरफ्तार अभियुक्त दृ 1. विजयपति पाल पुत्र स्व0 गयादीन पाल नि0 गौहानी थाना पवारा जनपद जौनपुर उम्र करीब 38 वर्ष (नामजद) 2. इन्दिरा देवी पति स्व0 राजपति हरिजन नि0 गौहानी थाना पवारा जनपद जौनपुर उम्र करीब 65 वर्ष (प्रकाश में)।

पाठक बन्धुओं से अनुरोध

आप सभी से अनुरोध है कि ऑनलाइन समाचार पत्र पढ़नें हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट **www.Desh ki upasana.com** का अधिक अधिक उपयोग करें–तथा हमारें यू–ट्यूब चैनल / पोर्टल - **dku live** सत्य एवं प्रमाणिक खबरों के लिए Like&Subscribe जरूर कीजिए।

–संपादक

राज कालेज में खेलो इण्डिया गेम्स मशाल रैली का किया गया भव्य स्वागत

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर प्रदेश के समस्त जनपदों से होकर पुनः लखनऊ पहचंने पर विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में क्रीड़ा प्रेमियों, छात्र–छात्रओं तथा शिक्षक–शिक्षिकओं ने भव्य स्वागत किया। इसी क्रम में राजा श्रीकृष्ण दत्त स्नातकोत्तर

महाविद्यालय जौनपुर में मशाल रैली के पहुचते ही महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 (डॉ0) शम्भू राम एवं समस्त शिक्षकगण व छात्र–छात्राओं ने भी भव्यता से स्वागत किया। महाविद्यालय के संगोष्ठी भवन में व्यवस्थित कार्यक्रम के तहत अतुल सिन्हा, जिला क्रीड़ा अधिकारी, जौनपुर ने खेलो इण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2022–23 के मशाल रैली से संबंधित समस्त जानकारी उपस्थितजनों के समक्ष प्रस्तुत किया। उन्होंने ने कहाकि देश सेवा खेल का अच्छा माध्यम है। खेल से शरीर स्वस्थ रहता हैं और स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क वास करता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व प्राचार्य प्रो0 अखिलेश्वर शुक्ला ने कहाकि लक्ष्य निर्धारित करना हो तो खेल से जुड़ा होना आवश्यक है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 (डॉ0) शम्भू राम ने कहाकि यदि खेल में मेहनत करें तो अर्न्तराष्ट्रीय खेलों में और पदक हासिल किया जा सकता है। खेलो इण्डिया गेम्स 2022–23 का आयोजन उसी दिशा में सरकार का एक अच्छा और महत्वपूर्ण प्रयास हैं। कार्यक्रम का संचालन खेल शिक्षक/क्रीड़ा सचिव डॉ0 अखिलेश कुमार गौतम ने किया। इस अवसर पर प्रो0 मयानन्द उपाध्याय, प्रो0 ज्योत्सना श्रीवास्तव, प्रो0 अनामिका सिंह, प्रो0 सुधा सिंह, डॉ0 ओमप्रकाश दूबे, डॉ0 राजकुमार यादव, डॉ0 नीता सिंह, डॉ0 अनीता सिंह, डॉ0 रेखा त्रिपाठी, डॉ0 सुनीता गुप्ता, डॉ0 गगनप्रीत कौर, डॉ0 रागिनी राय, डॉ0 नीशिथ सिंह, डॉ0 यदुबंश कुमार, डॉ0 अविनाश कौल, डॉ0 राजेन्द्र सिंह, प्रधानाचाय प्रेमचन्द्र, डॉ0 अनिल मौर्य, डॉ0 धर्म साहू, डॉ0 राजेश त्रिपाठी, डॉ0 रामानन्द अग्रहरी, डॉ0 रमेशचन्द्र सोनी, डॉ0 विवेक यादव, डॉ0 सुधाकर शुक्ला, सुधाकर मौय, संजय कुमार सिंह सहित समस्त कर्मचारी व छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

सैकड़ों लावारिस अस्थियों का गंगा जी में किया विधि विधान से विसर्जन –खोसला

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय नई दिल्ली। सुखमनी सेवा ट्रस्ट के अथक प्रयासों से तीसरी बार लावारिस अस्थियों का हरिद्वार गंगा जी में किया सामूहिक विसर्जन जिसमें भीम ब्रिगेड ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव जोली खोसला को भी इस पुण्य कार्य करने का ट्रस्ट की अध्यक्षा बहन रोशनी रहेजा जी के माध्यम से सौभाग्य प्राप्त हुआ 11 मई 2023 राजू रहेजा जी ने सवेरे रेवाड़ी हरियाणा और गुरुग्राम के श्मशान घाट उनसे काफी समय से पड़ी लावारिस अस्थियों को छोटा हाथी टेम्पो में भरकर हरिद्वार ले जाया गया व अन्य सुखमनी सेवा ट्रस्ट की टीम टेंपो ट्रैवलर में हरिद्वार पहुंचकर विधि विधान से सभी अस्थियों का विसर्जन किया घाट के पुरोहितो ने भी पूरा योगदान दिया व सभी ने गंगा मैया से अरदास की इनको अपनी शरण मे ले और मोक्ष प्राप्त हो इस पुण्य कार्य में हिंदू ,मुस्लिम और सिख सभी ने मिलकर विसर्जन किया खोसला जी ने बताया कि हम सबको राष्ट्रीय जनहित के कार्य करने चाहिए इसे कोई नहीं देखता उसे हम सबको मिलजुल कर करना चाहिए ट्रस्ट की अध्यक्षा रोशनी रहेजा जी ने कहा कि यह कार्य करके मुझे बहुत ही अच्छा महसूस होता है यह कार्य आप सभी के सहयोग से ही सफल होते हैं जिसकी प्रेरणा आदरणीय करोना योद्धा पदम श्री डॉ जितेंद्र सिंह शंटी जी

से मिली और यह हम तीसरी बार लावारिस अस्थियों के विसर्जन के लिए आए हैं और अन्य श्मशान घाटों से भी राज राजू रहेजा जी की बात हो रही है और शीघ्र ही पुणे हम लावारिस अस्थियां विसर्जन के लिए हरिद्वार आएंगे जो भी इस पुण्य कार्य का भागी बनना चाहता है उनका स्वागत है इस पुण्य कार्य में साथ रहने वाले राजीव जोली खोसला ,डॉ नदीम अहमद जी ,अशोक कपूर जी, राजू रहेजा जी, विनोद गुप्ता जी, गोपाल कृष्ण खंडेलवाल जी, रोशनी रहेजा जी, मंजू चौधरी जी ,लता जी, परमजीत कौर जी ,रूबी जी ,देवेंद्र कौर जी, शालिनी जी व अन्य कई सदस्यों ने किसी ना किसी रूप में अपना समर्थन दिया हम आशा करते हैं कि आप भी इस कार्य को मिलजुल कर करें राष्ट्र हित के लिए।

अंतर्राष्ट्रीय नर्स डे पर नर्सों को किया सम्मानित

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : लायंस क्लब क्षितिज ने अंतर्राष्ट्रीय नर्स डे पर जिला अस्पताल में कार्यक्रम आयोजित कर कोरोना काल में अपना विशेष सहयोग देने वाली तथा मरीजों को ठीक होने में अपना पूर्ण योगदान देने वाली 14 नर्सों को सम्मानित किया। मुख्य अतिथि चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर केके राय ने सभी नर्सों को सम्मान–पत्र व अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया और कहां कि मेरी नजरों में नर्सों का दर्जा मां से भी ऊपर है। इससे पहले संस्थाध्यक्ष विष्णु सहाय ने सभी का स्वागत कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और अपने वक्तव्य में कहा कि आज के दिन सभी नर्सों को बहुत–बहुत धन्यवाद देता हूं जिन्होंने कोरोना काल में अपनी जान दांव पर लगाकर मरीजों की सेवा की। संस्थापक अध्यक्ष शशांक सिंह रानू ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस का इतिहास लेडी विद द लैंप क नाम से जानी जाने वाली फ्लोरेंस नाइटिंगेल ने आधुनिक नर्सिंग के संस्थापक के रूप में काम शुरू किया, जो कि क्रीमियन युद्ध के दौरान घायल हुए ब्रिटिश और संबद्ध सैनिकों के एक नर्सिंग प्रभारी के रूप में काम किया। वह नर्सों

के लिए औपचारिक प्रशिक्षण स्थापित करने वाली पहली महिला थीं। निवर्तमान अध्यक्ष जय कृष्ण साहू ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि नर्स ही मरीज को घर की तरह माहौल देकर मरीज को जल्द स्वस्थ होने के लिये कार्य करती हैं। विशिष्ट अतिथि जोन चेयर पर्सन संतोष साहू बच्चा ने कहा कि हमारे पूरे मंडल में जहां लगभग 100 के ऊपर संस्थाएं हैं वहां पर लायंस क्लब क्षितिज अपना प्रथम स्थान रखती है। कार्यक्रम का संचालन लायनेस अर्चना सिंह व सभी अतिथियों के प्रति आभार कार्यक्रम संयोजक संजय जयसवाल ने व्यक्त किया।

भारत विकास परिषद ने स्कूली बच्चो को नशा नही करने की दिलाई शपथ

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : भारत विकास परिषद शाखा जौनपुर द्वारा नशा मुक्ति प्रकल्प कार्यक्रम के अंतर्गत नशामुक्ति पखवारा के प्रथम दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती शिशु मंदिर बारीनाथ में विद्यालय में उपस्थित 375 बच्चो को नशा नही करने के शपथ के साथ किया गया।। शाखा अध्यक्ष शिव कुमार गुप्ता ने सभी का स्वागत करते हुए

आज के कार्यक्रम के बारे बताते हुए कहा कि समाज में व्याप्त नशा रूपी बुराई को दूर करने के लिए सभी के सहयोग की जरूरत है। प्रकल्प प्रमुख डॉ गौरव मौर्या द्वारा किसी भी प्रकार की नशा जैसे तंबाकू, गुटखा, दोहरा, शराब इत्यादि से होने दुष्परिणाम जैसे मुख कैंसर, मुंह का नही खुलना इत्यादि को विधिवत पोस्टर व लैपटॉप के माध्यम से बताया। इस अवसर पर नशामुक्ति के प्रांतीय प्रकल्प प्रमुख दिलीप जायसवाल ने सभी को नशा के प्रति आगाह करते हुए सभी को स्वय एव परिवार मित्र सहित कभी नशा नही करने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि नगर संघचालक धर्मवीर जी, सतेंद्र अग्रहरी,पूर्व अध्यक्ष भृगुनाथ पाठक, कोषाध्यक्ष शरद साहू, रामरतन सेठ, शिवकुमार सेठ,भरत सेठ ,राघवेंद्र, प्रधानाचार्य गणेश दत्त उपाध्याय, वरिष्ठ आचार्य दिलीप पाठक व अन्य आचार्य तमाम सदस्य उपस्थित थे।संचालन अतुल जायसवाल ने किया।रामरतन सेठ सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुंबई के पालक मंत्री दीपक कसेकर का "सरकार आपके द्वार"कार्यक्रम संपन्न

महाराष्ट्र ब्यूरो विपिन गुप्ता : मुंबई के सी वार्ड मे वार्ड ऑफिसर उद्धव चन्दनशिवे के मार्गदर्शन मे मुंबई के पालक मंत्री दीपक कसेकर का "सरकार आपके द्वार"कार्यक्रम संपन्न दीपक कसेकर जी शिक्षा मंत्री के साथ साथ मुंबई के पालक मंत्री भी है, जनता मे सरकार के प्रति विश्वास बढ़ाने और जनता की समस्याओ के समधान हेतु उन्होंने मुंबई महानगर पालिका के ब वार्ड मे "सरकार आपके द्वार " कार्यक्रम का आयोजन किया. इस अवसर पे पुलिस प्रशासन, महानगर पालिका के सारे विभागों के उच्च अधिकारी, म्हाडा के अधिकारी, अतिक्रमण के उच्च अधिकारियो के साथ मंत्रालय के हर बिभाग के अधिकारी चन्दनवाड़ी स्थित सी बिभाग मे वार्ड ऑफिसर उद्धव चन्दनशिवे के देखरेख मे उपस्थित थे,उक्त अवसर पे 150 से ज्यादा नागरिकों ने अपनी शिकायतों के साथ इस कार्यक्रम मे भाग लिया. पहले तो यह सरकार का मार्केटिंग स्टंट लगा क्योंकि शिकायत का समय 4से 6 बजे तक था लेकिन मंत्री महोदय और वार्ड ऑफिसर उद्धव जी की कार्यकुशलता से

सारे लोगो के परेशानियों को ना केवल सुना गया अपितु उनको समयसीमा मे दूर करने का मंत्री जी ने आश्वासन भी कपलं। उक्त अवसर बिपिन गुप्ता और ए पी मार्केट के गिरीश दुबे जी ने 30 साल पुराने ए पी मार्केट के दुकानदारों के ओनरशिप की समस्या से मंत्री महोदय को अवगत कराया जिसे पालक मंत्री दीपक कसेकार जी ने 15 दिनों मे सुलझाने का आश्वासन दिया उक्त अवसर पे भाजपा के माजी विधायक अतुल ी, जनक संघवी, रिटा मकवाना, शरद पेटिवाला,आकाश राजपुरोहित और अन्य राजनेता

ये हैं समाज के लिए प्रेरक : जो संभालती हैं घर–परिवार के साथ अपना कामकाज

गोरखपुर ब्यूरो : 14 मई को मदर्स डे है। आप को शहर की कुछ ऐसी महिलाओं से रूबरू करा रहे हैं, जिन्होंने न सिर्फ बेहतर तरीके से घर–बार संभाला है बल्कि पति और पिता के कारोबार में भी मजबूती से हाथ बंटा रहीं हैं। उद्यमिता, स्कूल, कारोबार हो या फिर नौकरी करते हुए ये महिलाओं तमाम चुनौतियों को चुटकियों में निपटा देती हैं। सुबह परिवार के लिए नाश्ता बनाने से लेकर खिलाने की जिम्मेदारी को कुशलता के साथ निभाती हैं और इसके बाद अपने कामकाज पर ध्यान फोकस रहता है। प्रस्तुत है चुनौतियों से लोहा लेने और अपने दम पर जीने का माद्दा रखने वाली ऐसी ही कुछ महिलाओं की कहानी। मां की जिम्मेदारी के एहसास से हर सुबह होती है एकेडमिक ग्लोबल स्कूल की निदेशक करुणा भदानी ने कहा कि मां की जिम्मेदारी के एहसास के साथ प्रतिदिन मेरी सुबह होती है। बेटे को स्कूल भेजने के लिए तैयार करने के साथ नाश्ते का इंतजाम करती हूं। स्कूल भेजने के बाद सुबह 8 बजे तक खुद तैयार होने के साथ पति के ऑफिस जाने की तैयारी करती हूं। यह सब करने के बाद अपने स्कूल के लिए निकल जाती हूं। वहां के सारे प्रबंधन की जिम्मेदारी भी मेरी ही है।

दोपहर दो बजे बेटे को स्कूल से लेकर वापस घर आती हूं। परिवार की जिम्मेदारियों में पति संजीव का पूरा साथ निभाती हूं। पति के साथ मैंने कारोबार भी संभाला गीडा महिला उद्यमी मिताली जालान ने कहा कि गीडा में अंकुर सरिया की फैक्ट्री है। पति अंकुर जालान व्यापार के सिलसिले में जब शहर के बाहर रहते हैं तो उद्योग का कामकाज भी संभालती हूं। कारोबार की जिम्मेदारी भी संभालने के साथ व्यावसायिक नजरिये से सभी पहलुओं का ध्यान देती रहती हूं। दो बच्चे हैं, जिनका पूरा ध्यान रखना पड़ता है। उनके पढ़ने, खेलने का ध्यान रखती हूं और उनके साथ कुछ समय जरूर गुजारती हूं। सच कहूं तो बच्चों और पति के दोस्त की भूमिका भी निभाती हूं।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–

एक अच्छे इंसान का संकेत है कि वो हमेंशा दूसरों की अच्छाई देखता है।

–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

भारत में बढ़ रहे हैं बाघ और गुलदार : खुशियां मनाएं या गम?

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में बाघों और गुलदारों की गणना की एक झलक देशवासियों को दिखाई थी जिसमें बाघों की संख्या में 42 प्रतिशत वृद्धि के साथ 2014 के 2226 के मुकाबले 3167 हो जाने और गुलदारों की संख्या 60 प्रतिशत वृद्धि के साथ 2014 के 7,910 के मुकाबले 2018 में 12,852 हो जाने का खुलासा हुआ है। नवीनतम आकड़ों के अनुसार मध्य प्रदेश में 3,421 तेंदुए, उत्तराखण्ड में लगभग 2500, कर्नाटक में 1,783 तेंदुए और महाराष्ट्र में 1,690 तेंदुए दूसरे राज्यों की तुलना में सबसे ज्यादा पाए गए हैं।

यद्यपि बाघों की गणना के आंकड़े पहले ही तत्कालीन वन एवं पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावडेकर 28 जुलाई 2020 को जारी कर चुके थे। फिर भी बड़ी बिल्लियों की बिरादरी का बढ़ना स्वस्थ और सम्पन्न वन्यजीव की निशानी मानी जाती है। इसीलिए सम्भवतः यह खुशखबरी प्रधानमंत्री के मुंह से दुबारा दिलवाई गई। वास्तव में यह सूचना वन्यजीव प्रेमियों और पर्यावरणविदों के लिए तो बड़ी खुशखबरी अवश्य हो सकती है। लेकिन महाराष्ट्र, उत्तराखण्ड और कर्नाटक जैसे मानव वन्यजीव संघर्ष वाले एक दर्जन के करीब राज्यों के निवासियों के लिए यह खबर खुशी के बजाय चिन्ता पैदा करने वाली अवश्य है।

महाराष्ट्र में मानव वन्यजीव संघर्ष सर्वाधिक

महाराष्ट्र में ताडोबा–अंधारी टाइगर रिजर्व, पेंच टाइगर रिजर्व और संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान जैसे कई संरक्षित क्षेत्रों के साथ महाराष्ट्र में बाघों और तेंदुओं दोनों की काफी आबादी है। इसीलिए वह राज्य मानव–वन्यजीव संघर्षों के लिहाज से सर्वाधिक संवेदनशील राज्यों की सूची में शामिल किया गया है। आकड़े बताते हैं कि जिन राज्यों में बाघ और तेंदुए अधिक पाए गए हैं वहीं इन जीवों द्वारा सर्वाधिक लोग मारे गए हैं। मसलन महाराष्ट्र में सबसे अधिक बाघ और तेंदुऐ पाए गए तो वहीं सर्वाधिक मानव मौतें भी हुई हैं।

महाराष्ट्र वन विभाग के आंकड़ों के अनुसार पिछले 10 वर्षों में महाराष्ट्र में मानव वन्यजीव संघर्ष में हर साल औसतन 35 लोगों की मौत हुई है। महाराष्ट्र में इस संघर्ष में हर साल औसतन 350 लोग घायल होते हैं। वहां मानव वन्यजीव संघर्ष की वजह से सबसे ज्यादा 98 लोगों की मौत साल 2022–2023 (जनवरी 2023 तक) में हुई, इसके बाद 2021–2022 में 86 और 2020–2021 में 82 लोगों की मौत हुई।

डक्कन हेराल्ड की एक रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल 2022 से लेकर 13 फरवरी 2023 तक कर्नाटक में 5 लोग बाघों और चार गुलदारों द्वारा मारे गए। उत्तराखण्ड में तो हालत और भी खराब है। यहां जनवरी से लेकर 3 मई 2023 तक की केवल 4 माह की अवधि में ही 5 लोग बाघों द्वारा और 3 गुलदारों द्वारा मारे गए हैं।

उत्तराखण्ड में गुलदारों और बाघों ने 572 लोग मारे

भारत में बाघों और गुलदारों के हमलों से 10 राज्य प्रभावित घोषित किए गए हैं जिनमें उत्तराखण्ड राज्य महाराष्ट्र के बाद दूसरे स्थान पर तथा कर्नाटक तीसरे स्थान पर आता है। इसी प्रकार उत्तराखण्ड में भी बाघों और गुलदारों की भारी संख्या के चलते इस राज्य को दूसरे नम्बर पर रखा गया है। उत्तराखण्ड में औसतन 45 लोग प्रतिवर्ष वन्य जीवों द्वारा मारे जाते हैं।

वन विभाग के आंकड़ों के अनसार सन् 2000 में राज्य गठन से लेकर 3 मई 2023 तक उत्तराखण्ड में 503 लोग गुलदारों द्वारा मारे जा चुके हैं। इसी तरह इसी अवधि में 69 लोग बाघों द्वारा मारे जा चुके हैं और बड़ी संख्या में लोग घायल हो चुके हैं। जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क, राजाजी नेशनल पार्क और नंदा देवी नेशनल पार्क सहित एक बड़े वन क्षेत्र और कई संरक्षित क्षेत्रों के साथ राज्य में जानवरों और मनुष्यों के बीच संघर्ष के मामले अक्सर देखे जाते हैं।

उत्तराखण्ड वन विभाग से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार इस साल जनवरी से लेकर 3 मई तक गुलदारों ने 3 लोगों को निवाला बनाया और 14 को घायल किया। इसी प्रकार बाघों ने 5 लोगों को अपना निवाला बनाया। गुलदार सोशल मीडिया पर दिन दहाड़े बस्तियों में लोगों और मवेशियों का पीछा करते नजर आ सकते हैं।

खेतों और बस्तियों से दिन दहाड़े उठा रहे हैं मानवभक्षी

उत्तराखण्ड में गत 13 अप्रैल को एक 73 वर्षीय किसान बीरेंद्र सिंह अपनी पत्नी के साथ पौड़ी जिले के कालागढ़ टाइगर रिजर्व की सीमा से सटे रिखणीखाल ब्लॉक के डल्ला गांव में अपनी गेहूं की फसल काट रहे थे और इसी दौरान एक बाघ ने उन पर हमला कर दिया था। मदद के लिए पत्नी के चिल्लाने के बावजूद जानवर किसान को खींच ले गया।

बाद में ग्रामीणों को कुछ दूर पर व्यक्ति का क्षत–विक्षत शव मिला। उसके तुरन्त बाद दूसरी घटना में, जो दल्ला से बमुश्किल 35 किमी दूर हुई, 75 वर्षीय सेवानिवृत्त शिक्षक रणवीर सिंह का आधा खाया हुआ शव 15 अप्रैल को नैनीडांडा ब्लॉक के सिमली गांव में उनके घर के पास मिला था। वन विभाग के मुताबिक, बीते दस सालों में गुलदार ने पौड़ी जिले में करीब 45 लोगों की जान ली है। गुलदारों के सर्वाधिक हमले पौड़ी रेंज में ही हुए हैं क्योंकि सर्वाधिक मानव पलायन इसी जिले में हुआ है। प्रदेश में मानव–वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं।

आखिर क्यों आ रही इस संघर्ष की नौबत

धरती को हर तरह के जीवों और पादपों के लिए माकूल बनाए रखने के लिए जितने जरूरी इन्सान हैं उतने ही जरूरी बाघ से लेकर कीड़े–मकोड़े और सांप जैसे जीव भी अत्यन्त जरूरी हैं। प्रकृति की जीवों और पादपों की ऋंखला में थोड़ी से गड़बड़ी या असन्तुलन आ जाए तो मानव वन्यजीव संघर्ष की ऐसी स्थिति स्वाभाविक ही है।

दरअसल, बड़ती जनसंख्या के दबाव से वन्यजीवों का पर्यावास भी विखंडित हो रहा है। यह मानव दबाव वन्यजीवों को भोजन, पानी या आश्रय की तलाश में मानव बस्तियों में जाने के लिए मजबूर करता है। जलवायु परिवर्तन से भी जानवरों के व्यवहार और प्रवास के पैटर्न में बदलाव अनुभव किया जा रहा है, जो जानवरों को नए और अप्रत्याशित तरीकों से इंसानों के संपर्क में ला रहा है। उदाहरण के लिए, उत्तरी ध्रुव में ध्रुवीय भालू तेजी से मनुष्यों के संपर्क में आ रहा है, क्योंकि उनका प्राकृतिक आवास पिघल रहा है।

बढ़ती मानव आबादी के भरण पोषण के लिए कृषि विस्तार के प्रयोजन से जैसे–जैसे मानव कृषि के लिए भूमि को साफ करता है, वे अक्सर जानवरों के प्राकृतिक आवासों को नष्ट कर देते हैं। यह जानवरों को आसपास के कृषि क्षेत्रों में भोजन और आश्रय लेने के लिए मजबूर करता है, जिससे किसानों और पशुपालकों के साथ संघर्ष हो जाता है। जैसे–जैसे शहरों और कस्बों का विस्तार होता है, वे अक्सर प्राकृतिक आवासों का अतिक्रमण करते हैं और वन्यजीवों को विस्थापित करते हैं। इससे जानवरों को शहरी क्षेत्रों में भोजन और आश्रय की तलाश करनी पड़ती है, जिससे मनुष्यों के साथ संघर्ष हो जाता है।

कुल मिलाकर, मानव–पशु संघर्ष जटिल मुद्दे हैं जिसका समाधान करने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। नीति निर्माताओं, संरक्षणवादियों और स्थानीय समुदायों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे मनुष्यों और जानवरों दोनों की जरूरतों को संतुलित करने वाले स्थाई समाधान खोजने के लिए मिलकर काम करें।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

अतीक के करीबी सौलत के आईफोन की चैट से सामने आएगा उस बड़ी डील का सच

प्रयागराज ब्यूरो : माफिया अतीक की पत्नी और 50 हजार की इनामी शाइस्ता परवीन की हिस्ट्रीशीट खुल सकती है। धूमनगंज पुलिस ने अधिकारियों से परामर्श मांगा है। शाइस्ता के खिलाफ अब तक आधा दर्जन मुकदमे दर्ज हैं। इन्हीं मुकदमों के आधार पर पुलिस हिस्ट्रीशीट खोलने की तैयारी में है। धूमनगंज इंस्पेक्टर ने दो मई में एक एफआईआर में शाइस्ता के लिए माफिया अपराधी शब्द का प्रयोग किया था। उमेश पाल हत्याकांड में वांछित शाइस्ता परवीन को पुलिस तमाम प्रयास के बाद भी पकड़ नहीं पा रही है। बृहस्पतिवार को भी शाइस्ता की तलाश में कई जगह दबिश दी गई। धूमनगंज पुलिस अब शाइस्ता की हिस्ट्रीशीट खोलने के प्रयास में है। उसके खिलाफ मुकदमों की जानकारी एकत्र की जा रही है। अब तक शाइस्ता के खिलाफ दर्ज आधा दर्जन मुकदमों के बारे में पता चला है। इसमें सबसे प्रमुख उमेश पाल और दो सिपाहियों की हत्या में दर्ज एफआईआर है। इसमें अतीक और अशरफ के साथ शाइस्ता को भी नामजद किया गया था। इसके अलावा बेटे अली का फर्जी आई कार्ड बनवाने, असलहों का लाइसेंस लेने के लिए तथ्यों को छिपाने और अवैध असलहा रखने जैसे मामले दर्ज हैं। पुलिस ने उमेश पाल हत्याकांड की जांच में साफ–साफ शाइस्ता की भूमिका का उल्लेख किया है। शाइस्ता न सिर्फ षड्यंत्र की बैठकों में शामिल होती थी, बल्कि अपने बेटों के माध्यम से शूटरों को आईफोन और लाखों रुपये भी देती थी। हत्या के बाद शूटरों के छिपने में भी उसने मदद की थी। पुलिस ने जांच में यह भी बताया है कि अतीक के जेल जाने के बाद उसके कारोबार को शाइस्ता ही संभाल रही थी। वह कुछ लोगों की मदद से अतीक गिरोह की पूरी वसूली को अंजाम दे रही थी। धूमनगंज इंस्पेक्टर ने दो मई को असद के दोस्त आतिन जफर की गिरफ्तारी वाली एफआईआर में शाइस्ता को माफिया अपराधी लिखा था। हालांकि, बिना हिस्ट्रीशीट खुले कोई भी अपराधी माफिया नहीं हो सकता। ऐसे में धूमनगंज पुलिस ने शाइस्ता की हिस्ट्रीशीट खोलने के लिए अधिकारियों से परामर्श मांगा है। वहां से हरी झंडी मिलने के बाद शाइस्ता परवीन की हिस्ट्रीशीट खोली जाएगी। फरार शाइस्ता पर फिर बढ़ सकता है इनाम 50 हजार की इनामी

शाइस्ता परवीन पर पुलिस फिर इनाम बढ़ा सकती है। उमेश पाल की हत्या हुए ढाई महीने बीत चुके हैं और शाइस्ता को अभी तक पुलिस नहीं पकड़ सकी है। सूत्र बताते हैं कि शाइस्ता पर इनाम की राशि बढ़ाई जा सकती है। अब तक 50 हजार की इनामी शाइस्ता पर जल्द ही एक लाख इनाम घोषित हो सकता है। सौलत के आईफोन से खुलेंगे राज, फोरेंसिक लैब भेजा गया अतीक के वकील सौलत हनीफ खान के मोबाइल (आईफोन) से कई राज खुलेंगे। पुलिस ने आईफोन को फोरेंसिक लैब भेजा है। मोबाइल से तमाम चौट को डिलीट कर दिया गया है। ऐसे में पुलिस यह नहीं पता कर पा रही है कि असलियत क्या है। चौट रिकवर होने के बाद पुलिस को कई अहम तथ्य मिल सकते हैं। वकील खान सौलत हनीफ से पूछताछ में पुलिस को बड़ी डीलिंग के बारे में पता चला था, जिसमें करोड़ों का लेनदेन हुआ है। अब पुलिस उन तथ्यों की जांच कर रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक हमीरपुर जेल में रहते हुए अतीक ने एक खदान मालिक के माध्यम से खनन में बड़ी रकम निवेश की थी। बाद में खदान मालिक और अतीक में विवाद हो गया। सौलत भी इस डील में शामिल था। उसने कस्टडी रिमांड में ज्यादा जानकारी तो नहीं दी है, लेकिन पुलिस का मानना है कि उसके मोबाइल से काफी जानकारी मिल जाएगी। सफेदपोशों के व्यापार में अतीक ने लगाए थे रुपये, सौलत ने दी जानकारी अतीक अहमद ने शहर के तमाम सफेदपोशों के व्यापार में करोड़ों रुपये लगाए थे। वकील सौलत ऐसे तमाम निवेशों का साक्षी रहा है। अतीक ने कई बार सौलत के माध्यम से ही सफेदपोशों को रुपये भिजवाए थे। कस्टडी रिमांड में सौलत ने पुलिस को कई नाम बताए हैं, जिनका व्यापार अतीक के पैसों के बल पर ही चल रहा है। अब उनकी भी जांच की जाएगी। उनके बैंक खातों और आय के स्रोतों के बारे में पूछताछ होगी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक अतीक ने सफेदपोशों के व्यापार में 100 करोड़ से अधिक का निवेश किया था।

अवध कॉलेजिएट का इंटरमीडिएट एवम् हाईस्कूल का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अवध कॉलेजिएट विद्यालय में हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट सीबीएसई बोर्ड का परीक्षा परिणाम आज घोषित हुआ जिसमें इंटरमीडिएट के कुल 579 छात्र सम्मिलित हुए एवम विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा । इंटरमीडिएट के छात्र अनुराग यादव ने 97. 8% अंक लाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया विद्यालय के कुल छात्रों में 11 छात्रों ने 95% से अधिक अंक लाकर एवम 48 छात्रों ने 90% से अधिक अंक लाकर अपने विद्यालय एवं माता–पिता का नाम गोरवान्वित किया । हाई स्कूल में कुल 562 छात्र सम्मिलित हुए जिसमें सभी छात्र अच्छे अंको से उत्तीर्ण हुए हाई स्कूल की परीक्षा में अनुष्का चौरसिया ने 96. 6% प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। कुल 8 छात्रों ने 95% प्रतिशत से अधिक अंक लाकर विद्यालय का नाम रोशन किया 50 छात्रों ने 90% से अधिक अंक लाकर विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय प्रबंधक श्री सर्वजीत सिंह और

निर्देशिका जतिंदर वालिया ने विद्यालय के बच्चों के माता–पिता को बधाई दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की । विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती इंदु चंदेल ने सभी अध्यापकों को धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया कि उनकी कठिन मेहनत का प्रतिफल परीक्षा परिणाम के रूप में मिला हैं।

मदद के बदले बेटे की मौत : बिटिया बोली पापा तुम तो कहते थे सुधर जाएंगे चाचा पर वह तो बाबू को ही मार डाले

गोरखपुर ब्यूरो : पापा, आप तो कहते थे, चाचा सुधर गए। वह मेहनत–मजदूरी करके जीवन काट रहे हैं, लेकिन इन्होंने तो बाबू की ही जान ले ली। आप ही बताओ, आप को क्या जरूरत थी, मदद करने की। आप ने मदद नहीं की होती तो शायद आज भी राम सिंह जेल में होता और आयुष जिंदा। यह बोल अपहरण के बाद मारे गए आयुष की बड़ी बहन अंबिका के हैं। उसका इकलौता भाई अब इस दुनिया में नहीं है। बहनों की आंखों से आंसू थमने का नाम नहीं ले रहा है। मन में एक ही पछतावा है कि पापा ने जिसे अपने भाई की तरह माना और हत्या कर लूट जैसे संगीन अपराध में न सिर्फ जमानत दिलाने में मदद की, बल्कि बाहर आने पर उसे फैक्ट्री में नौकरी तक दिला दी। अब उसी ने खुशियां उजाड़ दी। बहनों को अब मुंहबोले चाचा के प्रति गुस्सा है तो गांव वाले भी हैरान हैं। गांव वाले भी बोल रहे हैं, सत्यनारायण सिंह रामसिंह को भाई की तरह मानते थे। दूर के रिश्तेदार थे और इतनी मदद के बाद ऐसा कर दिया तो अब कौन किसकी मदद करेगा? उधर, बृहस्पतिवार दोपहर पोस्टमार्टम के बाद शव गांव में पहुंचा तो एक बार फिर चीख पुकार मच गई। रिश्तेदार, पड़ोसी ही नहीं आसपास के गांव वाले भी आयुष का शव

देखकर रो पड़े। सभी परिवार वालों को सांत्वना देते रहे। आयुष की बहनें रोते–रोते बदहवास हो जा रहीं थीं। पिता सत्यनारायण खुद को संभालते हुए बच्चों को भी संभालते नजर आए। हत्या और लूट में जेल गया था राम सिंह राम सिंह गोरहडीह गांव का ही रहने वाला है। उसकी अभी शादी नहीं हुई है। पुलिस के मुताबिक, साल 2016 में उसने खोराबार इलाके में ट्रक मालिक की हत्या कर सरिया लूट की वारदात को अंजाम दिया था। इस मामले में वह जेल गया था। साल 2020 में जमानत पर जेल से बाहर आया। उसके जमानत पाने में सत्यनारायण ने मदद भी की और फिर जेल से बाहर आने के बाद जिस फैक्ट्री में सत्यनारायण काम करते हैं, वहीं उसे भी नौकरी दिलाई। इसके बाद दोनों साथ ही आते–जाते थे, लेकिन बुधवार को राम सिंह ने साजिश रचकर हत्या कर दी।

आगरा में बड़ा हादसा : जम्पिंग के दौरान हाइटेंशन लाइन में उलझा पैराशूट : कमांडो अंकुर शर्मा की गई जान

आगरा ब्यूरो : आगरा में पैराशूट जम्पिंग के दौरान बड़ा हादसा हो गया। मलपुरा थाना क्षेत्र में पैराशूट जम्पिंग के दौरान कमांडो का पैराशूट हाइटेंशन लाइन में उलझ गया। ये देख किसानों ने स्थानीय पुलिस को सूचना दी। कमांडो अंकुर शर्मा को उपचार के लिए मिलिट्री हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी जान चली गई। यहां हुआ हादसा बताया गया है कि मलपुरा के ड्राप जोन से दूर पैराशूट हाइटेंशन लाइन में उलझ गया था। जिसके बाद हाईटेंशन लाइन से कमांडो नीचे गिरे। ये देख स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए और पुलिस को सूचना दी। बताया गया है कि कमांडो अंकुर शर्मा जम्मू कश्मीर में तैनात थे। दर्द से कराह रहा था जवान गांव मलपुरा के रहने वाले सेना के जवान रूप सिंह ने बताया कि वह छुट्टी पर आए हुए हैं। जैसे ही उनके खेत

पर लगी पानी की समर के पास एक जवान हाई टेंशन लाइन में उलझ कर नीचे गिरा, तो उन्होंने स्थानीय लोगों की मदद से घायल को सेना के जवानों को इलाज के लिए भेज दिया। हालांकि उस वक्त जवान की हालत खराब थी। जवान में दर्द से कराह रहा था।

दो हजार से शुरू की नौकरी : दस साल में करोड़पति बन गया हाइजिया का कर्मचारी

लखनऊ ब्यूरो : छात्रवृत्ति घोटाले में फंसे हाइजिया एजुकेशनल ग्रुप के फार्मेसी कॉलेज का एक बाबू दस साल में करोड़पति बन गया। दो हजार रुपये से नौकरी की शुरुआत करने वाले रवि प्रकाश गुप्ता ने हाइजिया के संचालकों के साथ मिलकर ऐसा जाल बुना, जिससे ग्रुप की रोजाना की कमाई लाखों रुपये तक पहुंच गई। हाइजिया ग्रुप और रवि के आवास पर ईडी के छापों से खुलासा हुआ कि छात्रवृत्ति घोटाले की रकम की बंदरबांट कर बेशकीमती संपत्तियों को खरीदा गया। रवि ने राजधानी के जानकीपुरम में आलीशान घर भी बनवाया। रवि प्रकाश के जानकीपुरम स्थित आवास पर मंगलवार को मारे गए छापे में कई संपत्तियों के दस्तावेज के अलावा बैंक खातों में लाखों रुपये जमा होने के प्रमाण मिले है। अब ईडी के अधिकारी हाइजिया और रवि की इन संपत्तियों को अटैच करने की कवायद में जुटे हैं। छात्रों का मुंह बंद कराने के लिए बांटे पैसे छात्रवृत्ति हाड़पने को लेकर विद्यार्थी कभी सवाल न उठाएं, इसके लिए संस्थानों ने कोई कसर नहीं छोड़ी। पहले जीरो फीस पर एडमिशन लिया। जब छात्रवृत्ति आई तो आठ से दस हजार रुपये भी उनके खातों में भेज दिए और मोटी रकम खुद हड़प ली। छात्रवृत्ति समाज कल्याण विभाग और केंद्र के दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग से आई। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग से प्रति छात्र 1.57

लाख रुपये छात्रवृत्ति ली गई। सूत्रों के मुताबिक अब तक की जांच में हाइजिया संस्थान का प्रशासन छात्रवृत्ति घोटाले का मास्टरमाइंड है। खेल की शुरुआत उसी ने की। इसमें अफसरों और बैंक कर्मियों की मिलीभगत रही। फर्जीवाड़ा सिर्फ छात्रवृत्ति ही नहीं बल्कि शुल्क प्रतिपूर्ति में भी किया गया। इन संस्थानों पर है एफआईआर। एसएस इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, मामपुर लखनऊ। ओरेगॉन एजुकेशनल सोसाइटी, कुर्सी रोड विकास नगर लखनऊ। हाइजिया कॉलेज ऑफ फार्मेसी, लखनऊ। हाइजिया इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी/सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी, लखनऊ। लखनऊ इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड एजुकेशन, लखनऊ। डॉ. श्री ओम प्रकाश गुप्ता इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, फर्रुखाबाद। आरपीपी इंटर कॉलेज, हरदोई। ज्ञानवती इंटर कॉलेज, हरदोई। जगदीश प्रसाद वर्मा, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, हरदोई। डॉ. भीमराव अंबेडकर फाउंडेशन एंड जीविका कॉलेज ऑफ फार्मेसी, हरदोई।

आवास विकास में सस्ता होगा संपत्ति नामांतरण : एलडीए की तर्ज पर शुल्क लागू करने का प्रस्ताव

लखनऊ ब्यूरो : आवास विकास परिषद के मूल आवंटी या उससे खरीद चुके खरीदार से कोई आवासीय व व्यावसायिक संपत्ति को खरीद कर अपने नाम दर्ज कराना चाहते हैं तो यह आपके लिए राहत वाली खबर है। आवास विकास संपत्ति का नामांतरण सस्ता करने जा रहा है। ऐसे में अब आपको नामांतरण शुल्क के नाम पर संपत्ति कीमत की एक फीसदी धनराशि देनी नहीं पड़ेगी। आवास विकास परिषद एलडीए की तर्ज पर इस आशय का प्रस्ताव तैयार कर रहा है। इसे 19 मई की बोर्ड बैठक में पेश करेगा। इस प्रस्ताव को मंजूरी मिली तो प्रदेश भर में आवास विकास की संपत्ति को मूल आवंटी से खरीदकर अपने नाम कराना सस्ता होगा। इसके अतिरिक्त संपत्ति विनियमावली में संशोधन की भी तैयारी है। खासकर, व्यावसायिक संपत्ति की नीलामी में कई बार जब एक ही बोली लगाने वाला होता तो आवास विकास परिषद को उसके आवंटन में दिक्कत होती है। इस समस्या के समाधान के लिए संपत्ति विनियमावली में संशोधन करने का भी प्रस्ताव बन रहा है। नामांतरण के लिए तीन दरें बना सकता है परिषद आवास विकास परिषद नामांतरण शुल्क के लिए तीन दरें बना सकता है। पहली दर तीन हजार रुपये, दूसरी दस हजार और तीसरी 20 हजार रुपये करने पर विचार–विमर्श चल रहा है। यानी नामांतरण का अधिकतम शुल्क 20 हजार रुपये, चाहे संपत्ति की कीमत कितनी भी हो। नामांतरण शुल्क का यह प्रस्ताव उनके लिए है, जो मूल आवंटी या उससे खरीदे खरीदार से संपत्ति खरीदने वालों के लिए है। वहीं, मृतक आश्रितों के लिए नौ हजार रुपये समाचार पत्रों में सूचना प्रकाशन शुल्क और पांच हजार रुपये नामांतरण शुल्क हो सकता है। साथ ही मूल आवंटी के बाद संपत्ति एक बार से अधिक बिकी होगी तो उसका नामांतरण कराने पर शुल्क के अतिरिक्त एक निश्चित धनराशि का भी प्रावधान किया जा सकता है, जैसा कि एलडीए ने 10 हजार रुपये का शुल्क तय किया है। यह है मौजूदा व्यवस्था आवास विकास परिषद वर्तमान में संपत्ति का नामांतरण कराने वालों से कीमत का एक फीसदी शुल्क वसूल रहा है। यानी 35 लाख की संपत्ति पर 35000 रुपये, 50 लाख की संपत्ति पर 50000 रुपये और 1.50 करोड़ की संपत्ति पर 1.50 लाख रुपये का नामांतरण शुल्क आवेदक को जमा करना पड़ता है।

पीएफआई प्रतिबंध पर उपजे आक्रोश को भी भुनाने की थी तैयारी : परवेज और रईस अहमद ने उगला सनसनीखेज राज

लखनऊ ब्यूरो : केंद्र सरकार का पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) को आतंकवादी संगठन करार प्रतिबंधित करना उसके आकाओं को नागवार गुजरा है। इसकी धमक केरल से लेकर कई खाड़ी देशों तक हुई है। इससे उपजे आक्रोश को भुनाने के लिए पीएफआई के भूमिगत सदस्यों को एकजुट किया जा रहा था। वाराणसी से एटीएस ने पीएफआई के सदस्य परवेज अहमद और रईस अहमद को गिरफ्तार करके रिमांड पर लिया तो इससे जुड़े राज सामने आने लगे। बृहस्पतिवार को रिमांड पर लिए गये परवेज और रईस से उनके केरल कनेक्शन के बारे में एटीएस ने गहन पूछताछ की। उन्होंने बताया कि केरल में आयोजित कार्यशाला में पी. कोया, कमाल केपी, रऊफ शरीफ आदि पीएफआई के बड़े पदाधिकारी शामिल होते थे। इस दौरान देश भर में मुसलमानों और दलितों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होती थी और इसके विरोध की रणनीति तैयार की जाती थी। कार्यशाला के दौरान पी. कोया तुर्किए समेत तमाम खाड़ी देशों में अपने संपर्कों का हवाला देकर देशविरोधी गतिविधियों में शामिल होने पर फंडिंग करने का भरोसा देता था। उन्होंने ये भी

कबूला कि सीएए–एनआरसी के खिलाफ प्रदर्शन की रणनीति बनाने के लिए उनको खासतौर पर केरल बुलाया गया था। आकाओं को भेजते थे अदालत की कार्यवाही की जानकारी दोनों के मोबाइल से मिले वाराणसी ज्ञानवापी परिसर से संबंधित अदालती कार्यवाही के दस्तावेजों के बारे में जब पूछताछ की गई तो उन्होंने खुलासा किया कि इसको जुटाने का निर्देश उनको कमाल केपी ने दिया था। वे अदालत में होने वाली सुनवाई का पूरा ब्योरा और अखबारों में छपी खबरों की कटिंग कमाल केपी को भेजते थे। बाद में ये ब्योरा खाड़ी देशों में पीएफआई के मददगारों को भेजा जाता था ताकि इसका व्यापक प्रचार–प्रसार किया जा सके।

नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन–2023 के मतदान हेतु जारी मीडिया पास ही मतगणना पास हेतु ही होगा मान्य

जौनपुर सू.वि. : नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन–2023 के मतदान हेतु जारी मीडिया पास ही मतगणना पास के लिए ही मान्य किया जायेगा। मतगणना के दिन समस्त पत्रकार बन्धु निम्न निर्देशों का पालन करते हुए निर्वाचन कार्य में सहयोग करें :–

1–व्यक्ति सहज पहचान के लिए अपना पहचान–पत्र और परिचय कार्ड साथ में लायें, जो उन्हें उस संगठन द्वारा जारी किया है, जिसका वह प्रतिनिधित्व कर रहे है। 2– मतगणना के दिन मतगणना स्थल पर बने मीडिया सेंटर से मतगणना की कवरेज कर सकते है। 3– मतगणना केन्द्रों के रिटर्निंग ऑफिसरध्सहायक रिटर्निंग ऑफिसर पहचान पत्र के धारक की पहचान के बारे में अपनी संतुष्टि करेंगे। इसमें जिसका नाम दिया गया है, उस व्यक्ति को छोड़कर अन्य के द्वारा इसका प्रयोग गंभीर अपराध है और इस कारण अपराधी उचित कानूनी कार्यवाही का भागी होगा। 4– मतगणना के दिन रिटर्निंग ऑफिसरों, सहायक रिटर्निंग ऑफिसरों, मजिस्ट्रेटों, मतगणना केन्द्रों में ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों तथा पुलिस अधिकारियों के सभी निर्देशों का पालन करना होगा। 5– मतगणना कक्ष में इलेक्ट्रानिक एवं प्रिंट मीडिया का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा। मतगणना के दौरान प्रत्येक 02 घंटे में नायब तहसीलदार / सक्षम अधिकारी के द्वारा मतगणना कक्ष में लगे जाली के बाहर तक पत्रकार बंधुओं को चक्रमण कराया जाएगा और भ्रमण के दौरान मतगणना की गोपनीयता भंग न हो इसका पूरा ध्यान रखा जाएगा । 6– मीडिया सेंटर में टी.वी. की व्यवस्था की जाएगी और मीडिया सेंटर में ही मतगणना के प्रत्येक चक्र की उद्घोषणा की व्यवस्था की जाएगी। प्रत्येक मतगणना स्थल पर एक अधिकारी/कर्मचारी की ड्यूटी लगाई जाएगी जो संबंधित आर.ओ से समन्वय करते हुए चक्रवार गणना की जानकारी उपलब्ध कराएंगे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी पत्रकार बन्धुओं से सहयोग करने की अपेक्षा की है।

बच्चों को मोबाइल से दूर रहने का संदेश देती 'निम्मो लखनऊ वाली'

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। मोबाइल की जद में फंस चुके किशोरों व बच्चों की आंखें खोलने वाली फिल्म 'निम्मो लखनऊ वाली' को गुरुवार को लुलु मॉल में रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म के जरिए बच्चों व किशोरों को फोन से दूर रखने की कोशिश की गई है। लेखक, निर्माता व निर्देशक जुनैद अली ने फिल्म में वह सब कुछ समाहित कर रखा है जिससे 'निम्मो लखनऊ वाली' बच्चों व किशोरों के दिलों में घर कर जाए। साथ ही समाज में एक बदलाव की दिशा में कार्य करे। एक घण्टे 54 मिनट की इस फिल्म में कॉमेडी, ड्रामा व इमोशनल सीन हैं, जो कहीं भी ऊबन नहीं महसूस होने देंगे। कुल मिलाकर 'निम्मो लखनऊ वाली' सामाजिक संदेश देते हुए हंसने–हंसाने वाली फिल्म है। जिसे सभी माता–पिता को अपने बच्चों व किशोरों को दिखाना चाहिए। कैलाश खेर व शान के गानों से सजी है फिल्म

निर्देशक जुनैद अली ने बताया कि फिल्म गायक कैलाश खेर, शान, शालिमली खालगोड़े, सुप्रिया पाठक और सौरभ दास की मधुर आवाज में गाए गानों से सजी है। कलाकारों की शानदार एक्टिंग का मुजायरा फिल्म में नामी कलाकारों की मौजूदगी दिख रही है। जिसमें वृजेश हिरजी, किश्वर मर्चेंट, राजेश जैस, मिद्दत खान, अनिल रस्तोगी और रमेश गोयल जैसे कलाकार हैं।

वेस्ली इंटर कॉलेज के मतदान केंद्र पर दो गंदगी फैलाने व पॉलिथीन पर व्यापारियों का काटा चालान

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : पिहानी कस्बे को स्वच्छ रखने के लिए पालिका ने एक कदम और बढ़ा दिया है। अब दुकानों के आगे गंदगी होने पर पालिका व्यापारियों से अर्थदंड वसूल रही है। इसके अलावा पालीथिन का उपयोग करने वाले दुकानदारों पर भी कार्रवाई की जा रही है।शुक्रवार को पालिका ने नगर की दुकानों में ताबड़तोड़ छापेमारी की। इस दौरान एक दुकान के आगे कूड़ा मिलने पर व्यापारी से तीखी नोकझोंक भी हुई। पालिका ने दुकानदार बहादुर चाट भंडार से 200 रुपये का अर्थदंड वसूला। दुकानदार को कड़ी चेतावनी दी गई और दुकानों के आगे गंदगी होने पर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की बात की। कुल 4 दुकानदारों का चालान काटा गया।इसके अलावा पालिका की टीम ने एक दुकान से पालीथिन जब्त किया। संबंधित से पांच सौ रुपये का जुर्माना भी वसूला गया। पालिका की कार्रवाई से दुकानदारों में हड़कंप मच गया है। पालिका के अधिशासी अधिकारी अमित कुमार सिंह ने कहा कि कई बार नोटिस देने के बावजूद भी कुछ

दुकानदार मान नहीं रहे हैं। उन्होंने कहा कि पालीथिन पूरी तरह प्रतिबंधित है। उसके बावजूद भी पालीथिन की थैली, ग्लास और अन्य सामान नालियों को बंद कर रहा है। उन्होने कहा कि भारत स्वच्छ अभियान के तहत पालिका लगातार लोगों को जागरूक कर रहे है। बावजूद लोग घर और दुकानों के आगे गंदगी फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब कड़ी कार्रवाई की जाएगी। टीम में रमाकांत सक्सेना, मोतीलाल ,अमित जोशी, अशोक कुमार ,संजय कुशवाहा समेत पालिका के कर्मचारी आदि मौजूद थे।

पेंटिंग के काम से हटाया तो युवक ने मोबाइल दुकान में की चोरी : पुलिस ने किया गिरफ्तार

वाराणसी ब्यूरो : पेंटिंग के काम से हटाए जाने पर एक युवक को कुछ नहीं सूझा तो उसने वाराणसी के कैंट रेलवे स्टेशन के सामने स्थित दुकान से मोबाइल चुरा लिए। गुरुवार को चोरी के 12 मोबाइल के साथ आरोपी को सिगरा थाने की पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान मऊ जिले के घोसी थाना के खानपुर बुजुर्ग निवासी मुलायम यादव के रूप में हुई है। डीसीपी काशी जोन आरएस गौतम ने बताया कि बीते 26 अप्रैल की रात कैंट रेलवे स्टेशन के सामने स्थित मोबाइल की एक दुकान में चोरी हुई थी। शिकायत के आधार पर सिगरा इंस्पेक्टर राजू सिंह ने अपनी टीम के साथ सीसी कैमरों की फुटेज और सर्विलांस की मदद से आरोपी मुलायम को चिह्नित किया। पूछताछ में मुलायम ने बताया कि वह अपने घर से वाराणसी में पेंटिंग के काम के लिए आया था। उसके ठेकेदार ने उसे पेंटिंग के काम से हटा दिया। एक–दो दिन वह जैसे–तैसे रहा और फिर पैसे के लिए उसने मोबाइल की दुकान में चोरी की। दंपती के खिलाफ मुकदमा दर्ज सराय मुगल (रमईपट्टी) स्थित जमीन के एक टुकड़े पर फर्जी कागजात की मदद से कब्जा करने के आरोप में एक दंपती के खिलाफ बड़ागांव थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। कचहरी रोड स्थित पक्की बाजार निवासी सच्चिदानंद ने अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय एवं अपराध को प्रार्थना पत्र दिया था। सच्चिदानंद का आरोप है कि उनके पिता रामनरेश ने सराय मुगल (रमईपट्टी) ग्राम सभा में जमीन का बैनामा कराया था। पिता की मौत के बाद उस जमीन के संबंध में गोलघर कचहरी निवासी इरशाद अहमद सिद्दीकी और उनकी पत्नी रुखसाना बेगम ने फर्जी दस्तावेज बनवाकर सरकारी रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करा लिया। महिला के पति और बेटे ने घर से निकाला पुआरीकला गांव की मनोरमा देवी ने अपने पति और बेटे पर पिटाई कर घर से निकालने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने बताया कि उसकी शादी पुआरीकला निवासी शिवशंकर के साथ हुई है। शादी के बाद से ही उसे पति द्वारा लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है। वह अपने पिता की गरीबी को देखते हुए सब कुछ बर्दाश्त करती रही। इसी बीच एक पुत्री और एक पुत्र पैदा हुआ। बीते वर्ष उसकी पुत्री की शादी हो गई। पुत्री की शादी के बाद पति शिवशंकर बेटे हिमांशु के साथ मिलकर उसकी पिटाई करने लगा। पिटाई का विरोध करने पर बीते 12 मार्च को शिवशंकर और हिमांशु ने घर से निकाल दिया। बड़ागांव थाने की पुलिस महिला के पति और बेटे के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है। किशोरी का अपहरणकर्ता गिरफ्तार एक किशोरी के अपहरण के आरोप में नामजद एक युवक को बृहस्पतिवार को लोहता थाने की पुलिस ने गिरफ्तार किया। लोहता थानाध्यक्ष राजकुमार पांडेय ने बताया कि टड़िया निवासी विकास पटेल ने क्षेत्र के एक गांव से एक किशोरी का अपहरण किया था। उसके खिलाफ अपहरण और पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज था। किशोरी को बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

आवास एवं विकास परिषद मुख्यालय जाकर पूर्व सैनिकों ने आवास आयुक्त को सुनाई व्यथा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। सैनिक कालोनी नियर शहीद पथ नगराम रोड, अवध विहार योजना में स्थित सैनिकों के मकान को यथावस्थान योजना में समायोजित करने के सन्दर्भ में आवास एवं विकास परिषद मुख्यालय जाकर पूर्व सैनिकों ने आवास आयुक्त को अपनी व्यथा सुनाई और

कहा कि निर्माण खण्ड–8 लखनऊ के अधिशाषी अभियन्ता एवम् दोषियों के विरूद्ध उचित कार्यवाही की जाए। सभी सेवारत ६ सेवानिवृत्त सैनिक व अन्य सैनिक कालोनी के निवासी है जो कि पिछले 20 वर्षों से कानूनी रूप से रजिस्ट्री कराकर अपना मकान बनाकर रह रहे हैं। अधिशाषी अभियन्ता के पत्राचार द्वारा त्रुटिपूर्ण अथवा पूर्णतः गलत सूचना प्रसारित की जा रही है। जो कि अनैतिक है और साथ ही सभी सैनिक कालोनी के निवासियों के प्रति अवमानवीय भी है। अधिशाषी अभियन्ता के पत्र में सैनिक व उनके परिवार को अवैध व्यवसायिक गतिविधियां जैसे शब्द का प्रयोग डराने व धमकाने की कोशिश आय दिन करते हैं। जो कि कदाचित उचित नहीं है।

बहन की शादी से पहले चचेरे भाई की सड़क हादसे में मौत : परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल

गोरखपुर ब्यूरो : जानकारी के मुताबिक, गीडा थाना क्षेत्र के कोल्हुई निवासी नंदलाल बिजली विभाग में कार्यालय सहायक के पद पर कार्यरत थे। बुधवार रात मोहद्दीपुर स्थित कार्यालय से काम खत्म कर शहर में बरात में गए थे। देर रात गीडा गांव जा रहे थे कि रास्ते में रुस्तमपुर के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आने से घायल हो गए। पुलिस अस्पताल ले जा रही थी, लेकिन रास्ते में ही मौत हो गई। जिस घर में खुशियों की शहनाई बज रही थी, वहां पर मातम छा गया। तीन भाइयों में छोटे नंदलाल की अभी शादी नहीं हुई थी। उधर, परिवार वालों ने तय किया है कि बहन की विदाई के बाद ही अंत्येष्टि की जाएगी।

गोरखपुर विश्वविद्यालय में सात विद्यार्थियों को मिला लाखों का पैकेज

गोरखपुर ब्यूरो : गोरखपुर विश्वविद्यालय के सात विद्यार्थियों का 3.20 लाख के पैकेज पर स्कॉलर कंपनी में बिजनेस डवलपमेंट एक्जीक्यूटिव के पद पर चयन हुआ है। चार महीने के प्रोबेशन पीरियड के बाद उनके प्रदर्शन के आधार पर 6.40 लाख रुपये की सैलरी मिलने लगेगी। विश्वविद्यालय की

ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा सात मई को ऑनलाइन मोड में छात्र–छात्राओं के लिए ग्रुप डिस्कशन का आयोजन किया गया था। स्कॉलर कंपनी की रिक्रूटमेंट मैनेजर साहित्या ने बताया कि बिजनेस डिवेलपमेंट एक्जीक्यूटिव पद पर एमबीए, बीबीए, बीकॉम और एमए की छात्र छात्राओं का चयन किया गया है। इनमें शिवम तिवारी, पीयूष जैसवाल, खुशी मिश्रा, प्राची श्रीवास्तव, तेजपाल, स्मृति जैसवाल और शिखा मिश्रा शामिल हैं। इन सभी की पोस्टिंग बेंगलुरू में की गई है। कुलपति प्रो राजेश सिंह, डॉ. सत्यपाल सिंह और डॉ स्वर्णिमा सिंह ने चयनित छात्र छात्राओं को शुभकामना दी। डॉ. सत्यपाल सिंह ने बताया कि टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और टेक महिंद्रा ने भी विश्वविद्यालय में कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित करने के लिए अभिरुचि दिखाई है।

गोरखपुर की इस कॉलोनी में अवैध कब्जा नहीं हटा तो चल सकता है बुलडोजर : डीएम को लिखा गया पत्र

गोरखपुर ब्यूरो : गोरखपुर जिले में मोहद्दीपुर स्थित बिजली निगम की हाईडिल कॉलोनी में अभी भी 35 अवैध कब्जेदार हैं। निगम ने इनकी बिजली आपूर्ति बाधित करने की तैयारी कर ली। कब्जा नहीं हटाया गया तो उनके परिसर पर बुलडोजर भी चलाया जा सकता है। इन्हें खाली करवाने के लिए डीएम को भी निगम की तरफ से पत्र लिखा गया है। हाईडिल कॉलोनी में 265

कर्मचारी आवास हैं। इनमें से 35 में अवैध कब्जे धारक रहते हैं। बीते दिनों शिकायत पर तत्कालीन मुख्य अभियंता ने विजिलेंस से जांच करवाई। जानपद (सिविल) खंड ने चिन्हित 35 अवैध कब्जेदारों के आवास पर नोटिस चस्पा कर दिया। इसके बाद अवैध कब्जाधारकों में हड़कंप मच गया, लेकिन किसी ने खाली नहीं किया। निगम को सूचना मिली थी कि बड़ी संख्या में बाहरी लोग कब्जा कर रह रहे हैं। नए आवास होंगे आवंटित बिजली निगम के अभियंताओं व अन्य कर्मचारियों के लिए जल्द ही हाईडिल कॉलोनी में आवास आवंटित किए जाएंगे। लिस्ट में वरीयता क्रम के अनुसार आवंटन होंगे। पिछले दिनों मुख्य अभियंता वितरण ने मुख्य अभियंता सिविल (जानपद) से हाईडिल कॉलोनी में अवैध कब्जे की शिकायती की थी। आरोप था कि विभागीय कॉलोनी में वे लोग भी हैं, जिनका मुख्यालय गोरखपुर जोन में नहीं है। इसके अलावा बाहरी लोग भी अवैध रूप से निर्माण कर यहां रह रहे हैं। मुख्य अभियंता आशु कालिया ने कहा कि अवैध कब्जेदारों का आवास खाली करवाने का प्रयास किया गया था। नोटिस देने के बाद भी कब्जा नहीं हटाया गया। खाली करवाने के लिए डीएम को पत्र भेजा गया है। उनके निर्देश पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन–2023 सम्पन्न कराये जाने हेतु किया गया कार्यक्रम जारी

जौनपुर सू.वि. : जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय) श्री अनुज कुमार झा ने समस्त उप जिलाधिकारी, समस्त रिटर्निंग अधिकारी को अवगत कराया है कि राज्य निर्वाचन आयोग, उ0प्र0 लखनऊ के अधिसूचना द्वारा नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन–2023 सम्पन्न कराये जाने हेतु कार्यक्रम जारी किया गया है जिसमें 13 मई 2023 को प्रातः 08:00 बजे से कार्य की समाप्ति तक मतगणना सम्पन्न की जाएगी। नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन–2023 के निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्ण मतगणना कराये जाने हेतु निम्न निर्देश दिए जाते है– नगरीय निकायों में प्रत्याशियों एवं मतगणना एजेण्टों की संख्या काफी अधिक होती है जिसके कारण मतगणना केन्द्रों पर अधिक संख्या में प्रत्याशियों एवं एजेण्टों के आने के कारण उन्हें मतगणना कक्षों की जानकारी प्राप्त करने में अत्यन्त कठिनाई होती है। अतः मतगणना केन्द्रों पर नगरीय निकायवार एवं वार्डवार जिन–जिन कक्षों में मतगणना होगी उसका मानचित्र तैयार कर मतगणना परिसर के प्रमुख स्थलों पर बोर्ड लगाकर प्रदर्शित किया जाए जिससे प्रत्याशियों/मतगणना एजेण्टों व मतगणना कार्य में लगे हुए अधिकारियों/कर्मचारियों को मतगणना कक्ष एवं टेबुल पर पहुॅचने में असुविधा न हो। मतगणना का कार्य प्रातः 08:00 बजे से प्रारम्भ होगा। प्रातः 07:00 बजे तक मतगणना कार्य में लगे हुए सभी मतगणना सुपरवाइजर व मतगणना सहायक अपने से सम्बन्धित मतगणना कक्षों में पहुॅच जाएंगे। प्रातः 07:00 बजे प्रत्याशियों/निर्वाचन अभिकर्ताओं/मतगणना अभिकर्ताओं को मतगणना केन्द्र के परिसर में प्रवेश हेतु अनुमति दी जाएगी। जिन वार्डों की मतगणना पहले प्रारम्भ होगी उन वार्डो के सदस्य पद के प्रत्याशियों/निर्वाचन अभिकर्ताओं/मतगणना अभिकर्ताओं को सम्बन्धित मतगणना कक्षों में प्रवेश करने दिया जाएगा। शेष वार्डों के सदस्य पद के प्रत्याशियों/निर्वाचन अभिकर्ताओं/मतगणना अभिकर्ताओं को मतगणना परिसर में अलग बैठने की व्यवस्था शामियाना लगाकर की जाएगी। अध्यक्ष पद के प्रत्याशी/निर्वाचन अभिकर्ता/मतगणना अभिकर्ता मतगणना कक्षों में मतगणना प्रारम्भ होने से मतगणना समाप्ति तक उपस्थित रह सकते है। मतगणना केन्द्र के प्रवेश द्वार पर मतगणना कार्य मे लगे हुए सभी अधिकारी/कर्मचारी एवं प्रत्याशी/निर्वाचन अभिकर्ता/मतगणना अभिकर्ता के प्रवेश हेतु उनके पहचान पत्र के आधार पर ही अन्दर जाने की अनुमति सुरक्षा हेतु तैनात सुरक्षा कर्मियों द्वारा दी जाएगी। प्रत्येक मतगणना केन्द्र में यथासम्भव दो प्रवेश द्वार की व्यवस्था की जाएगी। एक प्रवेश द्वार निर्वाचन कार्य से जुड़े हुए अधिकारी/कर्मचारी तथा दूसरा प्रवेश द्वारा प्रत्याशी/निर्वाचन अभिकर्ता/मतगणना अभिकर्ता के जाने हेतु नियत किया जाएगा। प्रत्येक मतगणना कक्ष में मतगणना टेबुल पर एक समय में प्रत्याशी, निर्वाचन अभिकर्ता तथा मतगणना अभिकर्ता में से कोई एक उपस्थित रह सकता है। निर्धारित मतगणना केन्द्र पर जितनी टेबुल लगाकर मतगणना करायी जानी है उसकी संख्या तथा प्रत्येक टेबुल पर गणना किये जाने वाले वार्डो को अंकित करते हुए एक सूची तैयार कर प्रकाशित कर दी जाए और उससे समस्त प्रत्याशियों को अवगत करा दिया जाए। प्रत्येक मतगणना केन्द्र पर निर्वाचन कार्य में लगे हुए अधिकारियों/कर्मचारियों के वाहनों के पार्किंग की समुचित एवं सुरक्षित व्यवस्था की जाएगी। इसी प्रकार प्रत्याशियों/निर्वाचन अभिकर्ताओं/मतगणना एजेण्टो के वाहनों हेतु मतगणना केन्द्र के 200 मीटर के दूर पार्किंग की समुचित व्यवस्था की जाएगी और पर्याप्त मात्रा में यातायात पुलिस की व्यवस्था की जाएगी जिससे आवागमन बाधित न हो। कोई भी प्रत्याशी या उनका एजेण्ट मोबाइल फोन, सेलुलर फोन, लैपटॉप व टैबलेट आदि लेकर मतगणना केन्द्रे में प्रवेश नहीं करेंगे। गर्मी के मौसम को दृष्तिगत रखते हुए प्रत्येक मतगणना केन्द्र पर मतगणना कार्य में लगे हुए अधिकारियों/कर्मचारियों तथा प्रत्याशियों/निर्वाचन अभिकर्ता/मतगणना अभिकर्ताओं के लिए पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। पर्याप्त मात्रा में जनपद में उपलब्ध टैंकर को भराकर स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सभी मतगणना केन्द्रों पर सुनिश्चित करायी जाएगी। गर्मी के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए प्राथमिक चिकित्सा सुविधा हेतु सभी मतगणना केन्द्रों पर चिकित्साधिकारियों की टीम पर्याप्त दवाओं के साथ उपलब्ध रहेगी। मतगणना केन्द्र पर एम्बुलेन्स की भी व्यवस्था की जाएगी। प्रत्येक मतगणना केन्द्र पर आग से बचाव हेतु अग्निशमन यन्त्र की भी व्यवस्था की जाएगी। मतगणना परिसर में केन्द्रीकृत एक ध्वनि विस्तारक यन्त्र (लाउडस्पीकर) इस प्रकार लगाया जायेगा कि वहॉ से मतगणना व्यवस्था सम्बन्धी सूचनाओं को उद्घोषित करने पर पूरे मतगणना परिसर एवं मतगणना कक्षों में आवाज स्पष्ट रूप से सुनायी पड़े। इस कार्य हेतु एक भिज्ञ अधिकारी की ड्यूटी लगायी जाय जिसके द्वारा मतगणना केन्द्र पर सभी नगरीय निकायों एवं वार्डों की मतगणना हेतु निर्धारित भवनों/कक्षों की जानकारी बीच–बीच में दी जाएगी। केन्द्रीयकृत ध्वनि विस्तार यन्त्र (लाउडस्पीकर) को मतगणना कक्षों से भी जोड़ा जाएगा। मतगणना प्रारम्भ होने पर समय–समय पर मतगणना प्रगति की घोषणा ध्वनि विस्तारक यन्त्र (लाउडस्पीकर) के माध्यम से की जाएगी। प्रत्येक मतगणना कक्ष में होने वाली मतगणना की वीडियोग्राफी करायी जायगी। मतगणना कार्य में विवाद की स्थिति उत्पन्न होने पर रिटर्निंग अधिकारी तथा मतगणना केन्द्र पर नियुक्त जोनल मजिस्ट्रेट से समन्वय स्थापित करके विवाद का निराकरण करायेंगे। अपरिहार्य परिस्थिति में जिला मजिस्ट्रेट एवं प्रेक्षक को भी सूचित करेंगे। प्रत्येक वार्ड के सदस्य की मतगणना समाप्त होने के पश्चात ध्वनि विस्तारक यन्त्र (लाउडस्पीकर) के माध्यम से मतगणना परिणाम की घोषणा सम्बन्धित रिटर्निंग अधिकारी/सहायक रिटर्निंग अधिकारी द्वारा पूर्णतः सन्तुष्ट होने के उपरान्त ही की जायगी तथा विजयी उम्मीदवार को रिटर्निंग अधिकारी द्वारा आयोग द्वारा निर्धारित प्ररूप पर प्रमाण पत्र निर्गत किया जायगा। इसके उपरान्त दूसरे वार्ड के सदस्य पद के मतपेटिकाओं की गणना प्रारम्भ की जायगी। इसी प्रकार आगे के वार्डों में भी यही प्रक्रिया अपनायी जायगी। अध्यक्ष पदों की मतगणना प्रारम्भ होने उपरान्त प्रत्येक चक्र की मतगणना समाप्त होने पर चक्रवार परिणाम तैयार कर सभी प्रत्याशियों/एजेण्टों को उनके पक्ष में पड़े मतों को बताया जायगा। मतगणना समाप्त होने के उपरान्त परिणाम की घोषणा सम्बन्धित रिटर्निंग अधिकारी/सहायक रिटर्निंग अधिकारी द्वारा पूर्णतः सन्तुष्ट होने के उपरान्त ही की जायगी तथा आयोग द्वारा निर्धारित प्ररूप पर मतगणना परिणाम तैयार कर विजयी उम्मीदवार को प्रमाण पत्र निर्गत किया जायगा। निर्वाचन परिणाम की घोषणा के पश्चात विजयी प्रत्याशी तथा उनके समर्थकों द्वारा प्रायः जुलूस निकाले जाते है जिसके कारण जनसामान्य को काफी असुविधा होती है तथा विजय जुलूसों के कारण प्रत्याशियों उनके समर्थकों तथा हारे हुए प्रत्याशियों एवं उनके समर्थकों के मध्य विवाद उत्पन्न होने के कारण शान्ति भंग की सम्भावना बनी रहती है। इस सम्बन्ध में आयोग द्वारा यह निर्देश दिया गया है कि शान्ति व्यवस्था बनाये रखने की दृष्टि से मतगणना के फलस्वरूप निर्वाचन परिणाम की घोषणा के उपरान्त किसी भी प्रत्याशी अथवा उनके समर्थकों द्वारा कोई भी विजय जुलूस नहीं निकाला जायेगा। इसे दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के अन्तर्गत निषेधाज्ञा जारी कर प्रतिबन्धित किया जाए।

अयोध्या धाम से पधारे संत ने समर कैंप का किया शुभारंभ

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : मंगली पुरवा स्थित श्री डाल सिंह मेमोरियल स्कूल में आज समर कैंप का प्रथम दिन पर अयोध्या से पधारे महाराज जी के द्वारा फीता काटकर तथा दीप प्रज्वलित करके समर कैंप का शुभारंभ हुआ। भाजपा युवा नेता मुकुल सिंह आशा ने महाराज जी का माल्यार्पण करके स्वागत किया तथा विद्यालय के व्यवस्थापक अखिलेश सिंह ने बच्चों व पूरे विद्यालय परिवार की तरफ से महाराज जी को माला पहना कर स्वागत किया तथा आशीर्वाद लिया। अयोध्या के महाराज संत श्री राम सेवक दास ने बच्चों को भक्ति से जोड़ने का प्रयास किया उन्होंने बच्चों को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के जीवन से संबंधित जानकारी दी। महाराज श्री रामसेवक दास ने बच्चों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम अपने माता–पिता एवं गुरुजनों के चरणों में सर रखकर प्रणाम करते थे, उनकी आज्ञा का पालन करते थे, उनके बताए द्वारा कार्यों को करते थे सभी बच्चों को भगवान श्रीराम से प्रेरणा लेकर अपने माता–पिता गुरुजनों का ह्रदय से सम्मान करना चाहिए प्रतिदिन हनुमान चालीसा व रामायण का पाठ करना चाहिए तथा ब्रह्म मुहूर्त में उठना चाहिए। समर कैंप के प्रथम दिन नन्हे–मुन्ने बच्चों के द्वारा गुब्बारे फुलाओ प्रतियोगिता ,गेंद फेंको प्रतियोगिता ने प्रतिभाग कर खूब मनोरंजन किया गया इसी प्रक्रिया में। प्राइमरी व जूनियर वर्ग में सुलेख व गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें लगभग एक सैकड़ा बच्चों ने प्रतिभाग किया। विद्यालय प्रबंधक मुकेश सिंह ने बच्चों को स्वस्थ रहने के लिए खेल से जुड़ने तथा बच्चों को प्रतियोगिता में अधिक से अधिक भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। विद्यालय की प्रधानाचार्य लक्ष्मी देवी ने बच्चों को बताया कि खेल के साथ–साथ अपनी पढ़ाई पर विशेष ध्यान दें। इस अवसर पर विद्यालय की शिक्षिका विनीता शुक्ला ,कविता गुप्ता, अर्पिता सिंह ,बीना गुप्ता , मंशा बाजपेई ,प्रिया सिंह ,रेखा रानी ,प्रज्ञा तिवारी तथा शिक्षक संजय गुप्ता ,देवेश प्रसाद सिंह,उदय शुक्ला, भूपेश सिंह, अशोक गुप्ता,राम प्रकाश पांडे , नवल किशोर, रजनीश सिंह,शुभम सिंह आदि मौजूद रहे। 13 मई को समर कैंप में मदर्स डे के अलावा खेलकूद प्रतियोगिताओं का होगा आयोजन मंगली पुरवा स्थित श्री डाल सिंह मेमोरियल स्कूल में चल रहे सात दिवसीय समर कैंप के दूसरे दिन मदर्स डे के उपलक्ष में बच्चों की मम्मीयों को बुलाकर उनका सम्मान किया जाएगा इसके अलावा खेलकूद प्रतियोगिताओं के साथ मेहंदी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी विद्यालय के प्रबंधक मुकेश सिंह ने दी।

यूपी कैबिनेट की बैठक में 27 प्रस्ताव पर लगी मुहर : खेल नीति को दी गई मंजूरी

लखनऊ ब्यूरो : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को लोकभवन में कैबिनेट की बैठक में 27 प्रस्ताव पर मुहर लगी। नगर निकाय चुनाव कार्यक्रम जारी होने के बाद यह पहली कैबिनेट बैठक थी। प्रस्ताव में चार निजी विश्वविद्यालयों के आशय पत्र जारी करने, शृंगवेरपुर धाम के विकास, निवेशकों को नीतियों के तहत दिए जाने वाले लाभ की मंजूरी, किसानों में दलहन व तिलहन की मिनी किट बांटने और हीरो मोटो क्रॉप्स की लीज बढ़ाने जैसे प्रस्ताव शामिल हैं। कुछ विभागों के पुराने भवनों के ध्वस्तीकरण की मंजूरी के प्रस्ताव भी शामिल हैं। इसके अलावा औद्योगिक विकास एवं रोजगार प्रोत्सान नीति–2022 में संशोधन का प्रस्ताव, पहले से जमीन खरीदने वाले निवेशकों को स्टांप ड्यूटी की शत प्रतिशत प्रतिपूर्ति की जाएगी। इसके अलावा एमएसएमई विभाग के जरिये बुनकरों को विद्युत बिल में राहत देने का प्रस्ताव भी मंजूर किया गया है। औद्योगिक इकाइयों को स्टांप ड्यूटी की प्रतिपूर्ति मिलेगी बैठक में औद्योगिक विकास एवं रोजगार प्रोत्सान नीति–2022 में संशोधन का प्रस्ताव कैबिनेट में मंजूर किया गया है। प्रदेश में बड़ी संख्या में ऐसे निवेशक हैं जिन्होंने निवेश नीति लागू होने से पहले ही अपनी इकाई के लिए जमीन खरीद ली है। उन्होंने वैश्विक निवेशक सम्मेलन में निवेश के लिए करार किया है। ऐसे निवेशकों ने स्टांप ड्यूटी में रियायत के लिए सरकार को प्रस्ताव दिया था। सरकार ने निवेशकों को राहत देने के लिए नीति में संशोधन का प्रस्ताव तैयार किया है। कैबिनेट से प्रस्ताव पारित होने के बाद पहले से जमीन खरीदने वाले निवेशकों को स्टांप ड्यूटी की शत प्रतिशत प्रतिपूर्ति की जाएगी। अल्फा, मेगा परियोजनाओं को केस टू केस के आधार पर रियायत दी जाएगी। दलहन और तिलहन के बीजों की निशुल्क मिनी किट बांटेंगे प्रदेश में दलहन व तिलहन का उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने के लिए चार वर्ष का अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत प्रत्येक वर्ष किसानों को दलहन एवं तिलहन के बीजों की निशुल्क मिनी किट दी जाएंगी। इस वर्ष दोनों की 875596 किट बांटी जाएंगी। शुक्रवार को कैबिनेट की बैठक में इन दोनों

के प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी गई। दोनों के लिए 15–15 करोड़ का बजट रखा गया है। प्रदेश में दलहनी एवं तिलहनी फसलों का क्षेत्र बढ़ाने, उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि करने के लिए वर्ष 2023–2024 से 2026–2027 तक अभियान चलाया जाना है। इसके तहत जहां निशुल्क बीजों की मिनी किट बांटी जाएंगी तो वहीं किसान पाठशालाओं का आयोजन होगा। तिलहन की बात करें तो तिल, मूंगलफली, राई सरसों एवं अलसी के बीजों की मिनी किट बांटी जानी है। पहले साल कुल 666578 किटों का वितरण होगा। एक एकड़ में बोआई के लिए तिल, राई, सरसों के दो–दो किग्रा के बीज, अलसी .1 हेक्टेयर के लिए दो–दो किग्रा के बीजों के पैकेट होंगे। जबकि मूंगफली का 20 किग्रा का पैकेट एक हेक्टेयर के लिए होगा। 11906 ग्राम पंचायतों में किसान प्रदर्शनों का आयोजन किया जाएगा। कुल चार साल में 2666000 मिनी किट बांटने का लक्ष्य है। दलहन पर काम इसके साथ ही दलहन की भी इस साल 209018 मिनी किट बांटी जाएंगी। इसमें उर्दू, मूंग के 4–4 किग्रा, अरहर–3, चना–16, मटर–20 तथा मसूर के 8 किग्रा बीज के पैकेट होंगे। प्रत्येक मिनी किट .2 हेक्टेयर रकबे में बोआई के लिए है। 14293 गांवों में किसान पाठशाला और प्रदर्शन का आयोजन होगा। प्रत्येक में कम से कम 100 किसान शामिल होंगे। इस समय प्रदेश में दलहन का रकबा 24.50 लाख हेक्टेयर है जिसे चार सालों में 28.84 लाख हेक्टेयर करने का लक्ष्य रखा गया है। इसी तरह दलहन का उत्पादन भी 35.79 लाख मीट्रिक टन करने का लक्ष्य है। चार सालों में 836000 मिनी किट बांटी जाएंगी।

36 लाख में शौचालय व 12 लाख में बनेंगे आंगनबाड़ी केन्द्र : अधूरे केंद्रों को बनने का रास्ता साफ

लखनऊ ब्यूरो : प्रदेश में आंगनबाड़ी केन्द्र और उसमें शौचालयों के निर्माण में आड़े आ रही धन की कमी को सरकार ने दूर कर दिया है । दोनों तरह के निर्माण की लागत को केन्द्र सरकार ने बढ़ा दिया है । अब आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण की लागत राशि को 8 लाख से बढ़ाकर जहां 12 लाख कर दिया गया है । वहीं, आंगनबाड़ी केन्द्रों में शौचालय के निर्माण की लागत में भी तीन गुना इजाफा करते हुए 36 लाख रुपये कर दिया गया है। पहले शौचालय बनाने के लिए 12 लाख रुपये की लागत ही तय था। इसी प्रकार आंगनबाड़ी केन्द्रों पर पेयजल सुविधा के लिए मिलने वाली 7 हजार की धनराशि को बढ़ाकर 10 हजार कर दिया गया है। सरकार के इस फैसले से करीब तीन वर्ष से अधूरे पड़े शौचालयों के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है । दरअसल स्वच्छता एक्शन प्लान 2017 से 2020 के तहत उन सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में शौचालय बनाए जाने थे, जिनमें अब तक यह सुविधा नहीं थी। इसके लिए सरकार द्वारा प्रति शौचालय के लिए 12 हजार रुपया लागत निर्धारित किया गया था । लेकिन सरकार द्वारा तय मानक के मुताबिक शौचालय बनाने के लिए यह धनराशि कम थी। इस वजह से तमाम आंगनबाड़ी केन्द्रों में शौचायलों का निर्माण अधूरा रह गया था । इसके मद्देनजर बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग की ओर से केन्द्रीय महिला कल्याण एवं बाल विकास मंत्रालय से शौचालय निर्माण की लागत राशि बढ़ाने का अनुरोध किया था। इसी कड़ी में केन्द्र ने प्रति शौचालय की लागत 12 हजार से बढ़ाकर 36 हजार रुपये करते हुए प्रदेश सरकार को केद्रांश उपलब्ध करा दिया है। इसी प्रकार आंगनबाड़ी केन्द्रों के निर्माण लागत में भी 4 लाख की बढ़ोत्तरी की गई है। इसके लिए भी केद्रांश उपलब्ध करा दिया गया है। 8447 शौचालयों का निर्माण रह गया था अधूरा बता दें कि स्वच्छता एक्शन प्लान 2017 से

2020 के तहत 8447 आंगनबाड़ी केन्द्रों में शौचालय बनाए जाने थे, लेकिन कम लागत निर्धारित किए जाने की वजह से इन शौचालयों का निर्माण अधूरा रह गया था। अब सरकार ने लागत राशि में तीन गुना वृद्धि करते हुए प्रति शौचालय 36 लाख कर दिया है तो अधूरे शौचालयों का निर्माण पूरा हो सकेगा । इसके अलावा 28250 नए शौचालय भी बनाए जाने हैं । 10 हजार बनने है नए आंगनबाड़ी केन्द्र सरकार द्वारा पिछले वित्तीय वर्ष के अगस्त महीने में 'सक्षम आंगनबाड़ी एवं पोषण 2.0' अभियान शुरू की गई थी। इसके तहत प्रदेश में 10 हजार नए आंगनबाड़ी बनाने का लक्ष्य तय किया गया था, लेकिन निर्माण सामग्री की कीमतें बढ़ने की वजह से लागत भी बढ़ गई थी। इस वजह से आंगनबाड़ी केन्द्रों के निर्माण लटक गया था । अब चूकि केन्द्र ने लागत की सीमा 8 लाख से बढ़ाकर 12 लाख कर दिया है तो रूके निर्माण कार्यों को शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। निदेशक आईसीडीएस सरनीत कौर ब्रोका ने सभी डीएम को केन्द्र द्वारा जारी गाइडलाइन के मुताबिक आंगनबाड़ी केन्द्रों के भवनों का निर्माण कराने के निर्देश दिए हैं।

अयोध्या नगर निकाय चुनाव की मतगणना की तैयारी अंतिम चरण में

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।एक नगर निगम, एक नगर पालिका व 6 नगर पंचायतों की मतगणना की जाएगी, अयोध्या नगर निगम का मतदान ईवीएम से होने कारण जल्दी परिणाम आएंगे, बाकी नगर पालिका नगर पंचायतों के परिणाम देरी से आने की संभावना है, जिसका मतदान बैलेट पेपर से हुआ है। अयोध्या नगर निगम व गोसाईगंज नगर पंचायत की मतगणना राजकीय इंटर कॉलेज में होगी, मां कामाख्या धाम नगर पंचायत व रुदौली नगर पालिका की मतगणना हिंदू इंटर कॉलेज में होगी, बाकी सभी नगर पंचायत की मतगणना संबंधित तहसील के सेंटरों में होंगी। सभी नगर निकायों की मतगणना 134 टेबलो पर होगी, अयोध्या नगर निगम महापौर व पार्षद पद के 60 प्रत्याशियों की मतगणना 40 टेबल पर होगी, रुदौली के अध्यक्ष व सभासद की 25 वार्ड प्रत्याशियों की मतगणना होगी, नगर पंचायत गोसाईगंज के 12 वार्ड के अध्यक्ष व सभासद की 8 टेबल पर मतगणना होगी, बीकापुर अध्यक्ष व सभासद की 8 टेबल पर होगी मतगणना,11 वार्ड नगर पंचायत खिरौनी सूचितागंज के अध्यक्ष व सभासद की 10 टेबल पर होगी मतगणना, 15 वार्ड,नगर पंचायत कुमारगंज के अध्यक्ष व सभासद की 10 टेबल पर होगी मतगणना,13 वार्ड,भरतकुंड भदरसा के अध्यक्ष व सभासद की 16 टेबल पर होगी मतगणना,18 नगर पंचायत मा कामाख्या अध्यक्ष व सभासद की 14 टेबल पर होगी मतगणना, 15 वार्ड सभी मतगणना सीसीटीवी की निगरानी में होगी।

निकाय मतदान की कल होगी गणना : तैयारी पूरी : डबल लाक में है ईवीएम व बैटल बाक्स

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। अयोध्या निकाय चुनाव बीतने पर अब कौन क्या रहेगा आगे इसका भी आंकलन शुरू हुआ है मेयर पद को लेकर भाजपा व सपा में बड़े पैमाने पर क्रास वोटिंग शुरू हुई है, रामपथ मार्ग में जिनकी दुकानें व घर गए है उनमें काफी कम वोटिंग हुई, कई सपा व भाजपा के नेताओं की भूमिका संदिग्ध मेयर में भाजपा– सपा की मुख्य लड़ाई है। जबकि नगर पंचायत व रुदौली नगर पालिका में भी चौकाने वाला परिणाम आएगा। पंचायत के चुनाव में बड़े पैमाने पर महिलाओं में साड़ी, पायल, नगदी बांटने की चर्चा, जबकि कई स्थानों पर शराब व नगदी बाटने की चर्चा, उसी के आधार पर लोग अपनी जीत पक्की मान रहे, पुलिस के शख्त रवैया से कई स्थानों पर शराब, नगदी बांटने की योजना धराशाई, बीकापुर नगर पंचायत में अफवाह फैलाने वाले वीएसपी प्रत्यासी लालमणि के पिता वेद निषाद के खिलाफ अफवाह फैलाने का दर्ज हुआ, कोतवाली में मुकदमा, बीकापुर पुलिस के क्षेत्राधिकारी डा राजेश तिवारी, कोतवाल राजेश कुमार राय सहित उनकी पुलिस टीम सक्रिय रही इससे कुछ लोगो के मनसुबो पर पानी फिरा, पहली बार मैदान में उतरे एक प्रत्यासी पर महिलाओं में पायल व साड़ी, नगदी बाटने की बाजार में चर्चा तेज, पुलिस इस मामले की छानबीन कर रही है।

बदल रहा है गोरखपुर : दिल्ली हाट की तर्ज पर होगा अब 'गोरखपुर हाट' : मिलेगा बेहतर प्लेटफार्म

गोरखपुर ब्यूरो : गोरखपुर में स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) सिटी मॉल के पास दिल्ली हाट की तर्ज पर गोरखपुर हाट बनाने जा रहा है। इस हाट में गोरखपुर एवं आसपास के शिल्पकारों, उद्यमियों एवं स्वयं सहायता समूहों को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए बेहतर प्लेटफार्म और बाजार मिल सकेगा। प्रदेश सरकार ने टेराकोटा एवं रेडीमेड गारमेंट को जिले का एक जिला एक उत्पाद घोषित किया है। लेकिन, अब तक इन उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए बेहतर प्लेटफार्म नहीं है। इसके अलावा लघु उद्योगों से जुड़े उद्यमियों और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को भी अपने उत्पादों को बाजार ढूंढने में दिक्कत होती है। ऐसे में जीडीए की ओर से सिटी मॉल के पास 3835 वर्ग मीटर नजूल की जमीन में गोरखपुर हाट बनाने की योजना तैयार की गई है। यहां दुकानें, प्रदर्शनी हॉल के अलावा पार्किंग की सुविधा होगी। प्रभारी मुख्य अभियंता किशन सिंह सांगवान ने बताया कि पार्किंग में 68 कार एवं 55 बाइक की पार्किंग का इंतजाम होगा। पार्किंग के पीछे 36 दुकानों का निर्माण किया जाएगा। इन दुकानों का

आवंटन जिलाधिकारी गोरखपुर की ओर से निर्धारित अवधि के लिए निर्धारित शुल्क पर किया जाएगा। इसके अलावा यहां 11 मीटर चौड़ा एवं 30 मीटर लंबा सभागार भी बनाया जाएगा। गोरखपुर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष महेंद्र सिंह तंवर ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों एवं लघु उद्योग से जुड़े स्थानीय उद्यमियों, शिल्पकारों एवं दस्तकारों के लिए गोरखपुर हाट में शॉप आवंटित की जाएगी। ताकि उन्हें रोजगार के ज्यादा से ज्यादा अवसर मिल सकें।

सपा के पूर्व मंत्री ने नगर निगम के चुनाव को लेकर प्रशासन पर लगाए गंभीर आरोप

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। अयोध्या समाजवादी पार्टी के पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन ने नगर निगम के चुनाव को लेकर यहां के प्रशासनिक अधिकारियों पर सरकार के एजेंट के रूप में काम करने का आरोप लगाते हुए कहा अयोध्या नगर निगम के चुनाव में जिले के पुलिस अधिकारी और प्रशासनिक अधिकारी भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी को जिताने के लिए सरकार के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं और समाजवादी पार्टी के प्रत्याशियों के साथ अभद्रता का व्यवहार करते हुए समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं को जबरदस्ती वोट डालने से रोका जा रहा है उन्होंने कहा इस सरकार में लोकतंत्र का मजाक उड़ाया जा रहा है और जिले पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता बनकर समाजवादी पार्टी के लोगों को जबरदस्ती डराधमका कर पोलिंग बूथों से वापस कर दिया जा रहा और लोकतंत्र में उनको वोट डालने से वंचित किया जा रहा है उन्होंने कहा क्योंकि सरकार जानती है कि अयोध्या में व्यापारियों को जिस तरीके से उजाड़ा गया है यहां के व्यापारी नौजवान सभी भुखमरी के कगार पर पहुंच गए हैं और यही व्यापारी नौजवान बेरोजगार अयोध्या में जो भी लोग हैं सभी समाजवादी पार्टी के मेयर और पार्षदों को जिताने के लिए वोट डाल रहे हैं लेकिन यहां के प्रशासनिक अधिकारी जबरदस्ती डालने से वंचित करते हुए उनके साथ अपराधियों जैसा व्यवहार कर रहे हैं और चुनाव आयोग मूकदर्शक बना हुआ है।

मणिपुर हिंसा में फंसे यूपी के 142 छात्र वापस लौटे घर : इनमें से नौ जौनपुर के

वाराणसी ब्यूरो : मणिपुर में जातीय हिंसा के बाद वहां का माहौल तनावपूर्ण है। वहां फंसे अलग–अलग राज्यों के सैकड़ों छात्रों का रेस्क्यू किया जा रहा है। मणिपुर से उत्तर प्रदेश के छात्रों को वापस लाने की राज्य सरकार की कोशिश जारी है। यूपी सरकार शुक्रवार तक मणिपुर से 142 छात्रों को वापस लाने में सफल रही है। इनमें से नौ जौनपुर के

रहने वाले हैं। राहत आयुक्त कार्यालय से जारी बयान के मुताबिक, मणिपुर स्थित अलग–अलग संस्थानों में उत्तर प्रदेश के 158 छात्रों के फंसे होने की सूचना मिली। इनमें लखनऊ के 17, प्रयागराज के 13, कानपुर के 12 और जौनपुर के नौ छात्र समेत अन्य जनपदों के 107 छात्र शामिल थे। 62 छात्रों की वापसी मंगलवार, 36 की बुधवार, 32 की गुरुवार और शुक्रवार को 12 छात्र प्रदेश वापस आए हैं। इन सभी 142 छात्रों के शुक्रवार तक सकुशल उनके गंतव्य स्थान तक पहुंचा दिया गया। शेष 16 छात्रों में से 11 ने मणिपुर से वापस आने की व्यवस्था खुद की। पांच छात्र मणिपुर से आने के इच्छुक नहीं हैं। छात्र बोले– दिल सहम जाता है हिंसा के बाद से एनआईटी इंफाल में बीटेक करने वाले छात्रों को एहतियातन वहां हॉस्टल में रखा गया था। इसमें अहरौरा निवासी शाहिद अंसारी, जौनपुर निवासी रणविजय सिंह सहित कई छात्र हॉस्टल में रुके थे। अमर उजाला से बातचीत में शाहिद ने बताया कि मणिपुर से पहले हम फ्लाइट से कोलकाता और फिर कोलकाता से लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचे। इसके बाद हम सभी को बस से हमारे घर के लिए रवाना किया गया। शाहिद ने बताया कि जब भी इस घटना के बारे में सोचते हैं तो दिल सहम जाता है। उसने सुरक्षित घर वापसी के लिए सरकार के प्रति आभार जताया। इधर परिवार को भी जैसे ही छात्रों के घर आने की सूचना मिली, वे खुशी से झूम उठे।

मतगणना स्थल पर पिकअप में पहुंची मतपेटी तो भड़के प्रत्याशी और समर्थक : जमकर मचाया हंगामा

सोनभद्र ब्यूरो : सोनभद्र जिले के ओबरा स्थित राजकीय पीजी कॉलेज में बने मतगणना स्थल पर शुक्रवार को पिकअप से मतपेटी और कागज से भरे बोरे पहुंचने पर प्रत्याशियों व समर्थकों ने जमकर हंगामा मचाया। मतगणना में धांधली की आशंका जताते हुए वह पिकअप को अंदर न जाने देने की जिद पर अड़ गए। मामला बिगड़ता देख मौके पर पहुंचे एसडीएम ने मतपेटी और बोरी को खोलकर दिखाया। इसके बाद हंगामा मचा रहे लोग शांत हुए। ओबरा पीजी कॉलेज में चोपन, डाला और ओबरा नगर पंचायत के मतों की गिनती होनी है। मतदान के बाद तीनों निकायों की मतपेटियों को कड़ी सुरक्षा के बीच यहां बने स्ट्रांग रूम में सील किया गया है। बाहर कड़ा पहरा लगाया गया है। प्रत्याशी और उनके समर्थक भी मतगणना स्थल के बाहर से निगरानी कर रहे हैं। एसडीएम फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे शुक्रवार दोपहर में मतगणना स्थल पर कुछ सामान लेकर एक पिकअप पहुंची तो उसे बाहर खड़े कुछ प्रत्याशी और उनके समर्थकों ने रोक लिया। पिकअप के अंदर मतपेटी और बोरे में कुछ अभिलेख देख वह भड़क गए। मतगणना में धांधली की आशंका जताते हुए हंगामा मचाने लगे। कुछ ही देर में अन्य प्रत्याशी भी वहां पहुंच गए। विवाद को तूल पकड़ता देख प्रशासन भी हरकत में आया। तत्काल एसडीएम प्रभाकर सिंह, नायब तहसीलदार रजनीश यादव फोर्स लेकर मौके पर पहुंचे। हंगामा मचा रहे लोगों से वार्ता की। मतपेटी और बोरी को खोलकर दिखाया। जांच के दौरान पांचों मतपेटी खाली मिलीं।

वहीं बोरे में 13 मई को होने वाली मतगणना में उपयोग होने वाली स्टेशनरी सामग्री पाई गई। इसके बाद लोग शांत हुए। एसडीएम ने बताया कि अफवाह के चलते भ्रम की स्थिति उत्पन्न हुई थी, जिसे दूर कर दिया गया। सोनभद्र में 51.38 प्रतिशत हुआ मतदान सोनभद्र जिले की 10 निकायों में नगर की नई सरकार चुनने के लिए गुरुवार को हल्की नोकझोंक के बीच शांतिपूर्ण मतदान हुआ। तीखी धूप और गर्मी के बावजूद कई इलाकों में मतदाताओं ने मतदान का फर्ज निभाने में सुस्ती नहीं बरती। शाम छह बजे तक जिले में कुल 51.38 प्रतिशत मतदान हुआ था। महिलाओं और युवाओं ने पहले मतदान करने में रुचि दिखाई। जिले के दस निकायों में अध्यक्ष और सदस्य पद के लिए कुल 1012 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। इसमें नगर पालिका अध्यक्ष पद के लिए सात उम्मीदवारों के बीच जोर–आजमाइश है। यहां के 25 वार्डों से 146 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। अन्य नौ नगर पंचायतों से अध्यक्ष पद पर 91 उम्मीदवार हैं। उम्मीदवारों की सबसे अधिक संख्या अनपरा में है, जहां 28 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। इसके अलावा सदस्य के 119 पदों पर 768 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला होना है।

नगर निकाय मतदान को लेकर वोटरों में नहीं दिखा उत्साह : वोटिंग की धीमी रहीं रफ्तार

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। नगरीय निकाय चुनाव के अंतिम चरण में मतदान को लेकर वोटरों का उत्साह और उल्लास नहीं झलका। विधानसभा चुनाव की तरह मतदान केंद्रों पर न लम्बी – लम्बी कतारें दिखीं न ही समूह में आते मतदाता। गुरूवार को सुबह सात बजे से शुरू हुए मतदान की रफ्तार काफी धीमी रही। सुबह – नौ बजे निर्माणाधीन रामपथ पर अंगूरीबाग मतदान केंद्र पर बूथ नम्बर 26 को छोड़कर कहीं मतदाता नहीं थे। बूथ नम्बर 26 पर ही वोटरों की लाइन लगी दिखी। यहां विभिन्न दलों के अभिकर्ता भी इसे लेकर परेशान दिखे। सुबह साढ़े नौ बजे तक यहां 2450 मतदाताओं के सापेक्ष 150 मत ही पड़े थे। चौलेंज वोट को लेकर भाजपा और सपा के अभिकर्ता भिड़े तो मौके पर तैनात पुलिस कर्मियों ने दोनों को बाहर कर दिया। दलों द्वारा लगाए गए बस्तों पर भी वोटर नहीं दिखे। सुबह दस बजे साहबदीन सीताराम इंटर कॉलेज मतदान केंद्र पर मतदाता जान जोखिम में डाल कर मतदान के लिए लाइन में लगे दिखाई दिए। यहां मतदान केंद्र के ठीक बाहर नाला खोदे जाने से बांस – बल्ली लगा कर रास्ता बनाया गया। बैरिकेडिंग के बजाए एक नीले रंग का जाल लगा कर फुर्सत कर ली गई। साढ़े दस बजे तक यहां 215 मतदाता मतदान कर चुके थे। वोटर अशोक कुमार ने बताया कि खोदाई के कारण लोग कम निकल रहे हैं। दोपहर 11 बजे के करीब अयोध्या के महाराजा इंटर कॉलेज पर मतदाता नदारद दिखे। इक्का – दुक्का मतदाता आकर मतदान कर जा रहे थे। पौने ग्यारह बजे तक महाराज इंटर कॉलेज मतदान केंद्र पर मात्र बीस फीसदी वोट पड़े थे। यहां भीड़ देख कर पहुंचे एसपी सिटी ने पुलिस कर्मियों को कड़ी फटकार लगाई। तब जाकर मतदान केंद्र के बाहर जमा भीड़ को हटाया जा सका। दोपहर करीब 12 बजे एसएसवी इंटर कॉलेज मतदान केंद्र का भी यही नजारा रहा। यहां तैनात पुलिस कर्मी छांव में कुर्सी डाल कर बैठे दिखाई दिए तो मतदाताओं की संख्या मात्र पचास रही। मतदाताओं की सबसे अधिक भीड़ साकेत महाविद्यालय मतदान केंद्र पर दिखाई पड़ी। यहां हर बूथ पर मतदाताओं की लम्बी कतार रही। 12 बजे तक यहां 35 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। जीजीआईसी के चार नंबर कमरे की ईवीएम मशीन खराब होने से लगभग आधा पौन घंटे मगर मतदान प्रभावित रहा। राजकरण स्कूल के बूथ पर 25 नंबर मशीन करीब आधे घंटे तक खराब हो गई। अंगूरीबाग मतदान केंद्र पर बूथ नम्बर 26 पर वोट डालने पर ईवीएम की बीप न सुनाई देने पर मतदाताओं ने आपत्ति जताई। मतदान कार्मिकों ने यह बता कर संतुष्ट किया कि निश्चित रहे वोट पड़ गया है।

मक्के की फसल का उपनिदेशक कृषि ने निरीक्षण किया मोटे अनाज की खेती के लिए किसानों को किया प्रोत्साहित

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।मिल्कीपुर–अयोध्या। विकासखंड मिल्कीपुर में मक्का विकास योजना अंतर्गत बोई गई मक्का फसल का उपनिदेशक कृषि डॉ संजय कुमार त्रिपाठी द्वारा स्थलीय निरीक्षण किया गया।विकासखंड मिल्कीपुर के ग्राम पंचायत अलीपुर खजुरी में कृषक स्वामी नाथ पांडेय पुत्र राम अभिलाख पाण्डेय,ग्राम पंचायत इनायत नगर में श्रीराम यादव पुत्र लल्लन प्रसाद यादव तथा ग्राम पंचायत परसवां में छत्रसाल सिंह पुत्र राम बहादुर सिंह के खेत में प्रर्दशन हेतु बोई गई मक्के की फसल का उपनिदेशक कृषि ने निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान डॉ संजय कुमार त्रिपाठी ने 6 हेक्टेयर भूमि पर खेती करने वाले कृषक क्षत्रसाल सिह द्वारा परंपरागत संसाधनों में शामिल हल बैल से की जा रही जुताई की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए प्रोत्साहित किया एंव मोटे अनाज में मडुआ की खेती करने का उसे सुझाव दिया।इसके साथ ही उपनिदेशक कृषि ने मोटे अनाज की उपयोगिता को रेखांकित करते हुए उसमे मौजूद भरपूर पौष्टिकता के महत्व,उसके सेवन से होने वाले लाभ तथा आर्थिक लाभ पर भी प्रकाश डाला।निरीक्षण के दौरान मिल्कीपुर के ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक प्रभाकर सिंह,कृषि रक्षा इकाई मिल्कीपुर के प्रभारी अवधेश कुमार, अभाष श्रीवास्तव,अमरेंद्र प्रताप सिंह तथा कृषक मुकेश कुमार शुक्ला,अरुण पांडेय,मुन्नू यादव,संजय सिंह,राममिलन समेत कई किसान मौजूद रहे।

सम्पादक मंडल
श्री शिवशंकर द्विवेदी संयुक्त सचिव (सेवा निवृत्त) उ0प्र0 शासन, लखनऊ, पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।